दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-133 सीहोर,शनिवार 11 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

दतिया में नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटा,आशुतोष तिवारी होंगे उम्मीदवार

टिकट कटने के बाद हंगामा, जिला अध्यक्ष समेत पार्षदों का इस्तीफा, ग्वालियर-झांसी हाईवे जाम

दतिया (ए.)। दतिया विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा ने शुक्रवार को आशुतोष तिवारी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। इस घोषणा के होते ही शाम को दतिया में हंगामेदार स्थिति पैदा हो गई। हाईवे स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा समर्थक काफी संख्या में जमा हो गए। उन्होंने हाईवे पर बैठकर धरना दिया। जमकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए।सबसे ज्यादा नाराजगी उन भाजपा नेताओं में देखने को मिली, जिन्हें डॉ मिश्रा को टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन भाजपा आलाकमान ने उन्हें दरकिनार कर मप्र हाउसिंग बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी घोषित कर दिया, जिसके बाद शुक्रवार शाम को दतिया में भाजपा का घमासान सड़कों पर आ गया।

समर्थकों का भारी हंगामा

टिकट के प्रबल दावेदार पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों के विरोध के स्वर तेज हो गए। डॉ मिश्रा को पार्टी का टिकट न दिए जाने से नाराज उनके समर्थकों ने जिला कार्यालय पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी और प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के खिलाफ नारेबाजी कर उन पर तमाम आरोप तक जड़ डाले।नाराज कार्यकर्ता इतने पर भी नहीं माने और वह दतिया का बाजार बंद करने निकल पड़े, जिसके बाद टाउनहॉल, बड़ा बाजार व किला चौक पर दुकानें बंद हो गई।

भाजपा से जुड़े डॉ नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों में उनकी टिकट कटने के बाद बहुत गुस्सा है। जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाह ने पद से इस्तीफा दे दिया है। डॉ मिश्रा समर्थक अब आलाकमान से टिकट बदलने की मांग को लेकर दिल्ली कूच करने की तैयारी में है। भाजपा की सूची जारी होते ही उसमें अपने नेता का टिकट कटने से नाराज कार्यकर्ताओं का कहना था कि वह आर या पार की लड़ाई लड़ने को तैयार है।

वायनाड भूस्खलन त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7 हुई, हादसे पर राजनीति तेज

कल्पेट्टा,(आरएनएस)। केरल के वायनाड में बन रही टनल रोड के पास हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर सात हो गई। राहत और बचाव दल ने मलबे से एक और शव बरामद किया। वहीं, अब भी एक व्यक्ति लापता है, जिसकी तलाश लगातार जारी है। हालांकि, खराब मौसम और बेहद कठिन इलाके के कारण बचाव अभियान में दिक्कतें आ रही हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन एवं बचाव विभाग, पुलिस, वन विभाग और स्थानीय स्वयंसेवक मिलकर अभियान चला रहे हैं। मलबा हटाने के लिए जेसीबी और दूसरी भारी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन बीच-बीच में हो रही बारिश और जमीन के अस्थिर होने से काम धीमा पड़ रहा है।यह हादसा कल्लाडी इलाके के मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ, जहां वायनाड की ओर बनने वाली महत्वाकांक्षी टनल रोड परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा था।गुरुवार तक मलबे से तीन और पीड़ितों को निकाले जाने के बाद कुल छह शव मिल चुके थे। बचाव कार्य जारी रहने के बावजूद, इस त्रासदी ने प्रोजेक्ट और आपदा की वजह बने हालात को लेकर राजनीतिक टकराव पैदा कर दिया है।

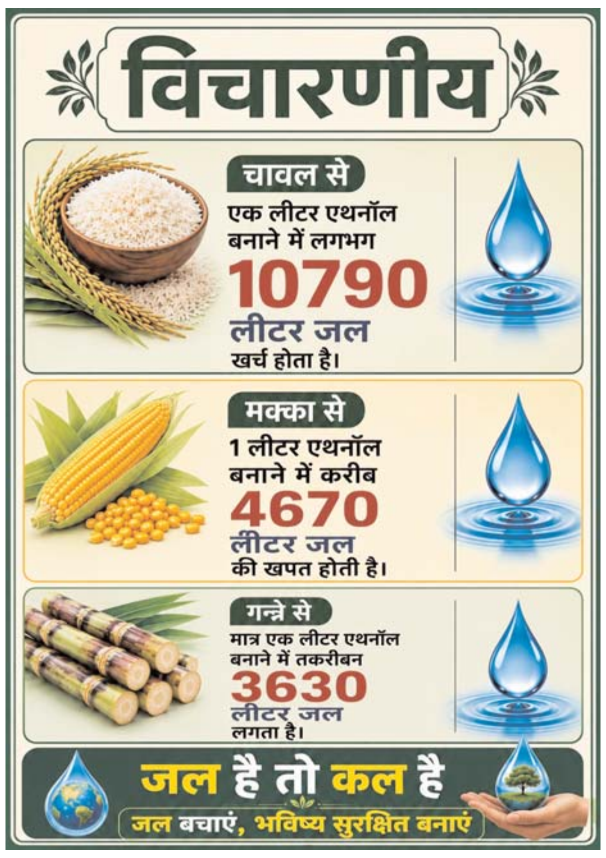

मुकदमे की रफ्तार पर घोंघा भी उठाएगा सवाल', सुप्रीम कोर्ट में भड़के जज; 9 साल से दर्ज हो रहे सबूत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। न्याय प्रणाली में होने वाली देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर गहरी चिंता जताते हुए बेहद सख्त और तीखी टिप्पणी की है। गुरुवार को एक पुराने मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मुकदमे की रफ्तार इतनी धीमी है कि इस पर एक 'घोंघा' भी सवाल उठा सकता है। अदालत ने हैरानी जताते हुए कहा कि यह मुकदमा साल 2015 में दायर किया गया था, लेकिन 9 साल बीत जाने के बाद 2026 तक भी इसमें वादी के साक्ष्य (सबूत) ही दर्ज किए जा रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ एक निजी कंपनी की अपील पर सुनवाई कर रही थी। इस कंपनी ने फरवरी 2025 में दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दरअसल, कंपनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक अर्जी लगाकर लंबित मुकदमे में कुछ नए और अतिरिक्त दस्तावेज रिकॉर्ड पर लाने और एक गवाह को दोबारा जिरह (पूछताछ) के लिए बुलाने की मांग की थी।

अधिक अल्कोहल वाली दवाओं पर सरकार सख्त, अब बिना लाइसेंस और डॉक्टर की पर्ची के नहीं होगी बिक्री

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अब बाजार में अधिक अल्कोहल वाली दवाएं बिना लाइसेंस और डॉक्टरों की पर्ची के बिना नहीं मिलेगी । केंद्र सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए अधिक मात्रा में अल्कोहल (इथाइल अल्कोहल) वाली दवाओं की बिक्री और वितरण पर सख्त नियम लागू किए हैं। इसके तहत अब 12 प्रतिशत से अधिक इथाइल अल्कोहल वाली और 30 मि.ली. से अधिक मात्रा की सभी दवा तैयारियों को पहले की तरह शेड्यूल के तहत छूट नहीं मिलेगी। यानी अब इन दवाओं के निर्माण और बिक्री के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा।सरकार ने इन दवाओं को शेड्यूल एच 1 में शामिल किया है। इसका मतलब है कि अब ये दवाएं केवल पंजीकृत डॉक्टर की पर्ची पर ही बेची जा सकेंगी। मेडिकल स्टोरों को इनकी बिक्री का पूरा रिकॉर्ड भी रखना होगा। इस कदम का उद्देश्य ऐसी दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकना और सार्वजनिक स्वास्थ्य की बेहतर सुरक्षा करना है। स्वास्थ्य मंत्रालय की आज जारी सूचना के अनुसार, इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित टिंचर जैसी कुछ औषधीय तैयारियों में 80-90प्रतिशत तक इथाएल अल्कोहल पाया जाता है। इन्हें दवा के बजाय नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें कई राज्यों से मिली थीं। इसी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, नए नियमों से ऐसी दवाओं की बिक्री केवल अधिकृत दवा आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से होगी। इससे इनके दुरुपयोग पर रोक लगेगी, जबकि वास्तविक मरीजों को जरूरत के अनुसार दवाएं पहले की तरह उपलब्ध होती रहेंगी।

फेमा उल्लंघन मामले में फिल्म निर्माता धर्मेश संगानी पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

मुंबई,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन के मामले में फिल्म निर्माता एवं कारोबारी धर्मेश नरेंद्र संगानी और उनकी कंपनी कलानी इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को ईडी की टीम ने मुंबई स्थित उनके परिसरों पर तलाशी अभियान चलाकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए। जांच अघोषित विदेशी संपत्तियों, विदेशी बैंक खातों और निर्यात से प्राप्त राशि भारत नहीं लाने के आरोपों से जुड़ी है।

अमरनाथ गुफा के लिए 8,500 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का नौवां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, (ए.)। अमरनाथ गुफा के लिए 8,500 से ज़्यादा तीर्थयात्रियों का नौवां जत्था शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह 8,796 तीर्थयात्री जम्मू बेस कैंप से 354 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुए जिनमें हल्की और भारी मोटर गाड़ियां शामिल थीं। इस जत्थे में बालटाल के लिए 3,450 और पहलगाम के लिए 5,346 तीर्थयात्री शामिल थे। वे कई स्तरों वाले सुरक्षा घेरे में यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने मिलकर इंतज़ाम किए थे।यात्रा शुरू होने के बाद से पिछले सात दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से कुल 1,71,501 तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर के दर्शन किए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे कन्फर्म रजिस्ट्रेशन और यात्रा की तय तारीख पर ही यात्रा करें, क्योंकि बिना रजिस्ट्रेशन वाले किसी भी तीर्थयात्री को बेस कैंप तक जाने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

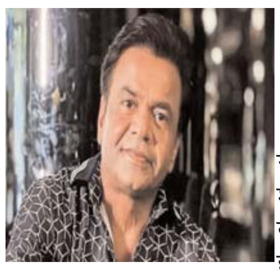

राजपाल यादव को झटका, चेक बाउंस मामले में जाना ही पड़ेगा जेल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। एक्टर एवं कामेडियन राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट का झटका लगा है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच ने अभिनेता राजपाल यादव द्वारा निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए दोषसिद्धि को कायम रखा यानि यादव को चेक बाउंस के सभी सात मामलों में तीन-तीन महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने यह आदेश मुरली प्रॉजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दर्ज कराए गए केस में सुनाया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा से पहले प्रशासन अलर्ट, बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर सख्त रोक

पुरी ,(आरएनएस)। ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस भव्य उत्सव के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पुरी शहर और उसके आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन (No-Flying Zone) घोषित कर दिया है।

16 से 27 जुलाई तक ड्रोन पर पाबंदी

प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, रथ यात्रा, बाहुड़ा यात्रा और इससे जुड़े अन्य सभी धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान 16 जुलाई से 27 जुलाई 2026 तक ड्रोन या किसी भी प्रकार की मानव रहित विमान प्रणाली (U AV) के उड़ाने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इतनी बड़ी भीड़ के ऊपर अनियंत्रित ड्रोन उड़ाने से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है।

केवल अधिकृत सरकारी कार्यों को मिलेगी छूट

इस पाबंदी के दौरान निजी तौर पर ड्रोन के संचालन, उड़ान और लॉन्चिंग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था, हवाई निगरानी, सरकारी फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी, मैपिंग और आपदा प्रबंधन जैसे जरूरी कामों के लिए अधिकृत सरकारी एजेंसियों को छूट दी जाएगी। इसके लिए भी उन्हें जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक (SP) से विशेष लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा

मूसलाधार बारिश बनी आफत, यूपी में 19 की मौत; कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश के कई हिस्सों में गुरुवार को हुई मानसूनी बारिश ने जहां एक तरफ लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर तबाही भी मचाई। इस भारी बारिश के कारण लोगों का रोजमर्रा का जीवन पूरी तरह से रुक गया है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देश के 17 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर राजधानी दिल्ली और उससे सटे इलाकों जैसे गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में देखने को मिला। इन शहरों में कई मुख्य सड़कों और रिहायशी इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। पानी भरने की वजह से सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, कई जगहों पर पेड़ उखड़कर गिर गए हैं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कई राज्यों में भारी तबाही और अलर्ट

सिर्फ दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जलभराव और पेड़ गिरने जैसी घटनाओं के कारण कई जगहों पर हादसे भी सामने आए हैं। मौसम की इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में लोगों को सतर्क रहने और बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

बच्चे ने निगली 2 इंच की कील

बैतूल (आरएनएस)। शाहपुर थाना क्षेत्र में 8 साल के बच्चे ने खेलते समय लगभग 2 इंच लंबा लोहे का कील निगल लिया। जांच में कील के पेट में होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद उसे बेहतर उपचार के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया है। बालक की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। एक्सरे में कील पेट में फंसी दिख रही है।जानकारी के अनुसार, ग्राम सिलपटी निवासी लेखराज चौहरे के 8 वर्षीय पुत्र देवेश चौहरे ने कील निगला। देवेश दूसरी क्लास में पढ़ता है, देवेश के पिता लेखराज चौहरे राजमिस्त्री हैं।गुरुवार रात लगभग 9 बजे देवेश घर में लोहे के कील से खेल रहा था। खेलते समय कील उसके मुंह के रास्ते पेट में चला गया। कुछ देर बाद उसे उल्टी हुई, जिससे परिजनों को लगा कि कील बाहर निकल गया होगा।

K✌K
राजधानी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य ट्रायथलॉन अकादमी चयन ट्रायल्स में खिलाड़ियों ने दिखाई दमदार प्रतिभा

37 खिलाड़ियों ने तैराकी, साइक्लिंग और रनिंग में दिखाई क्षमता, पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से उभरेंगी नई खेल प्रतिभाएँ

भोपाल (ए.)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टैलेंट सर्च 2026 का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य ट्रायथलॉन अकादमी के प्रवेश के लिये चयन ट्रायल्स का सफल आयोजन 6 से 8 जुलाई 2026 तक भोपाल में किया गया। तीन दिवसीय चयन प्रक्रिया टी.टी. नगर स्टेडियम, इंटरनेशनल स्टेडियम बरखेड़ा नाथू तथा प्रकाश तरण पुष्कर में संपन्न हुई, जिसमें खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं सहनशक्ति का व्यापक मूल्यांकन किया गया।

तैराकी, साइक्लिंग और रनिंग में परखी गई खिलाड़ियों की संपूर्ण क्षमता

ट्रायथलॉन जैसे चुनौतीपूर्ण खेल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागियों का परीक्षण स्विमिंग, साइक्लिंग, रनिंग, फिजिकल फिटनेस एवं समग्र तकनीकी दक्षता के विभिन्न मानकों पर किया गया। चयन समिति की निगरानी में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न हुई।

प्रदेश के 12 जिलों सहित दो राज्यों के खिलाड़ियों ने दिखाई भागीदारी

चयन ट्रायल्स में कुल 37 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 31 बालक एवं 6 बालिका खिलाड़ी शामिल रहे। मध्यप्रदेश के 12 जिलों के साथ उत्तरप्रदेश एवं महाराष्ट्र से भी खिलाड़ियों ने सहभागिता कर प्रतियोगिता को प्रतिस्पर्धात्मक बनाया। यह सहभागिता प्रदेश की ट्रायथलॉन खेल के प्रति बढ़ती रुचि और विश्वास को दर्शाती है।

बुरहानपुर से सर्वाधिक प्रतिभागी, बालिका खिलाड़ियों की उल्लेखनीय भागीदारी

जिलावार सहभागिता में बुरहानपुर सर्वाधिक 7 खिलाड़ियों के साथ अग्रणी रहा, जिनमें 4 बालिका खिलाड़ी शामिल थीं। इसके अतिरिक्त भोपाल, शिवपुरी, रीवा, नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर, राजगढ़, सतना, इटारसी एवं बैतूल सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य की संभावनाओं को किया मजबूत

ट्रायल्स के दौरान अनेक खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट सहनशक्ति, तकनीकी कौशल, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। चयन समिति ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को दीर्घकालीन विकास की दृष्टि से सकारात्मक बताते हुए इसे प्रदेश में ट्रायथलॉन खेल के उज्ज्वल भविष्य का संकेत माना।

पारदर्शी प्रक्रिया के बाद चयनित खिलाड़ियों की होगी अलग से घोषणा

तीन दिवसीय चयन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन का अंतिम मूल्यांकन एवं अनुमोदन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों की सूची निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात पृथक रूप से जारी की जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग का उद्देश्य प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक खेल अधोसंरचना एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में शामिल हुए विधायक सबनानी

भोपाल (संदीप पंडा)। विधायक भगवानदास सबनानी ने काटजू अस्पताल में आयोजित रोगी कल्याण समिति की साधारण सभा की बैठक में सहभागिता कर अस्पताल की व्यवस्थाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आवश्यक सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रत्येक नागरिक को बेहतर उपचार और सुविधाएं उपलब्ध हों।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के विनोद सिंह ने जीता कांस्य पदक

5000 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का बढ़ाया गौरव

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के प्रतिभाशाली धावक विनोद सिंह ने चीन के ओरदोस में आयोजित प्रथम एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:23.67 मिनट का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया।

कठिन प्रतिस्पर्धा में शानदार प्रदर्शन

चैंपियनशिप के 5000 मीटर फाइनल में एशिया के सर्वश्रेष्ठ युवा धावकों के बीच हुई कड़ी प्रतिस्पर्धा में विनोद सिंह ने उत्कृष्ट धैर्य, गति और रणनीति का परिचय देते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। उनका यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है तथा आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी तैयार कर रही है अंतर्राष्ट्रीय धावक

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी देश की अग्रणी खेल अकादमियों में शामिल है। आधुनिक खेल अधोसंरचना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धति, खेल विज्ञान आधारित कोचिंग तथा अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में यहां तैयार हो रहे खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश को नई पहचान दिला रहे हैं। विनोद सिंह की यह उपलब्धि अकादमी की उच्च गुणवत्ता वाली प्रशिक्षण व्यवस्था का एक और प्रमाण है।

मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विनोद सिंह को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतना मध्यप्रदेश और देश दोनों के लिए गर्व का विषय है। विनोद सिंह ने अपनी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुझे विश्वास है कि वे भविष्य में भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए अनेक गौरवपूर्ण उपलब्धियां अर्जित करेंगे।

खिलाड़ियों को मिल रहा है विश्वस्तरीय मंच

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं एवं बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें : डीजीपी कैलाश मकवाणा

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक संचालित किए जाने वाले राज्यव्यापी नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, रेंज उप पुलिस महानिरीक्षक, भोपाल एवं इंदौर के पुलिस आयुक्त, समस्त जिला पुलिस अधीक्षक, रेल पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक पीटीएसतथा समस्त सेनानी विसबल की बैठक ली। बैठक में अभियान की विस्तृत कार्ययोजना एवं दिन-प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी "Vision Document on Narcotics Control 2026-29 की भावना एवं उद्देश्यों के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई (Enforcement), सिंथेटिक ड्रग्स एवं प्रीकर्सर के नियंत्रण, नशे की मांग में कमी (Demand Reduction), व्यापक जन-जागरूकता, सामाजिक सहभागिता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को इस अभियान का प्रमुख आधार बनाया गया है। अभियान के माध्यम से कानून प्रवर्तन के साथ-साथ समाज में नशे के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन पर भी विशेष बल दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए।उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में आयोजित नशे से दूरी है जरूरी अभियान को प्रदेशभर में अभूतपूर्व जनसमर्थन मिला था और लाखों नागरिकों की सहभागिता से यह एक सफल जनअभियान बना था। उन्होंने अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं। इस वर्ष हमें पिछले अभियान से भी अधिक प्रभावी, व्यापक और परिणामोन्मुखी अभियान चलाना है। प्रत्येक जिला अपने नवाचारों, जनसहभागिता और सकारात्मक प्रयासों से नए कीर्तिमान स्थापित करे। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता का वास्तविक पैमाना समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिकाधिक लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना होगा। मकवाणा ने कहा कि अभियान के दौरान पुलिस, सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आबकारी विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नगरीय निकायों तथा अन्य संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर प्रत्येक जिले में साझा कार्ययोजना के अनुसार गतिविधियां आयोजित की जाएं।

मुख्य सचिव अनुराग जैन से मंत्रालय में मध्यप्रदेश के प्रोबेशनर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की और मार्गदर्शन प्राप्त किया।

अब जबलपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस में फस्ट एसी कोच की सुविधा

भोपाल (ए.)। रेलवे यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते ट्रेनों में कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी में भोपाल मंडल के इटारसी होकर जाने वाली जबलपुर-यशवंतपुर-जबलपुर एक्सप्रेस में सितम्बर माह से एक फस्ट एसी कोच लगाने निर्णय लिया गया है, जो कि निम्न तिथि से प्रभावी रहेगा।

जबलपुर-यशवंतपुर-जबलपुर एक्सप्रेस में फस्ट एसी कोच की सुविधाः-

1) गाड़ी संख्या 12194 जबलपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस में एक फस्ट एसी का कोच दिनाँक 12 सितम्बर 2026 से प्रभावी रहेगा।

2) गाड़ी संख्या 12193 यशवंतपुर-जबलपुर एक्सप्रेस में एक फस्ट एसी का कोच दिनाँक 13 सितम्बर 2026 से प्रभावी रहेगा।

कोच संरचना- अब उक्त दोनों ट्रेनों में निर्धारित तिथि से 01 फर्स्ट एसी, 02 सेकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 01 थर्ड एसी इकॉनमी, 1 पेंट्रीकार, 6 स्लीपर क्लास, 04 जनरल कोच एवं 1 जनरेटरकार, 1 एसएलआरडी सहित कुल 22 एलएचबी कोच होंगें। यात्रियों से अनुरोध है कि इस एसी कोच सुविधा का लाभ उठाएं और साथ ही ट्रेन में कोच की अधिक जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा अधिकृत पूछताछ केंद्र से भी प्राप्त कर सकते हैं।

भोपाल मास्टर प्लान पर दिशा बैठक में हंगामा, कांग्रेस विधायक बैठक से बाहर निकले

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान को लेकर शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जमकर हंगामा हुआ।मास्टर प्लान लागू नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और आतिफ अकील ने बैठक की उपयोगिता पर सवाल खड़े किए। इस दौरान फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत से उनकी तीखी नोकझोंक हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों विधायक बैठक का बहिष्कार कर बाहर निकल गए।

बैठक की अध्यक्षता सांसद आलोक शर्मा ने की। एजेंडे पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायकों ने कहा कि जब तक भोपाल का नया मास्टर प्लान लागू नहीं होता, तब तक विकास कार्यों की समीक्षा करने वाली बैठकों का अपेक्षित औचित्य नहीं है। इसी दौरान फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत के हस्तक्षेप पर दोनों

विधायकों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी चर्चा सांसद से हो रही है और बीच में हस्तक्षेप उचित नहीं है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और बैठक का माहौल करीब दस मिनट तक तनावपूर्ण बना रहा।नाराज कांग्रेस विधायकों ने कहा कि यदि उनकी बात गंभीरता से नहीं सुनी जानी है तो उन्हें बैठक में बुलाने का कोई औचित्य नहीं है। इसके बाद दोनों विधायक बैठक छोड़कर बाहर चले गए। सांसद आलोक शर्मा ने उन्हें रोकने और चर्चा जारी रखने का प्रयास किया, लेकिन वे वापस नहीं लौटे।

मास्टर प्लान पर मुख्यमंत्री से करेंगे चर्चा

बैठक के बाद सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल के सुव्यवस्थित और दीर्घकालीन विकास के लिए मास्टर प्लान का जल्द लागू होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वे शीघ्र मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मास्टर प्लान को लागू कराने का आग्रह करेंगे।

स्मार्ट सिटी पर सत्ता और विपक्ष एक सुर में

बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना की कार्यप्रणाली भी निशाने पर रही। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि बड़े-बड़े निर्माण कार्य तो हुए, लेकिन कई परिसरों में अब भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने व्यावसायिक प्लॉटों का आकार छोटा करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे उनकी बिक्री बढ़ेगी और परियोजना को अधिक राजस्व मिलेगा।

इटारसी होकर उधना-मधुबनी एवं उधना-झंझारपुर दो स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

भोपाल (निप्र)। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए विशेष किराये पर भोपाल मंडल के इटारसी होकर संचालित उधना-मधुबनी एवं उधना-झंझारपुर स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित किए गए हैं। विस्तारित फेरों का विवरण निम्नानुसार हैः-

1. ट्रेन संख्या 09045 उधना - मधुबनी स्पेशल 26 जुलाई, 2026 तक तथा ट्रेन संख्या 09046 मधुबनी - उधना स्पेशल को 27 जुलाई, 2026 तक चलेगी।
2. ट्रेन संख्या 09047 उधना - झंझारपुर स्पेशल 26 जुलाई, 2026 तक तथा ट्रेन संख्या 09048 झंझारपुर - उधना 27 जुलाई, 2026 तक चलेगी

यात्रियों से अनुरोध है कि कोच एवं ट्रेन संचालन संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट, रेल मदद ऐप अथवा 139 रेल मदद नंबर का उपयोग करें।

रेलवन ऐप से जनरल टिकट पर 14 जुलाई तक 3 प्रतिशत छूट का लाभ

एक ही ऐप पर टिकट बुकिंग, ट्रेन ट्रैकिंग, शिकायत, रिफंड एवं भोजन ऑर्डर सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध

भोपाल (निप्र)। भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को आधुनिक, सरल एवं सुविधाजनक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित रेलवन (RailOne) ऐप के माध्यम से अनारक्षित (जनरल) टिकट बुक करने वाले यात्रियों को 14 जुलाई 2026 तक 3 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। यह विशेष प्रोत्साहन योजना 14 जनवरी 2026 से छह माह के लिए लागू की गई थी। रेलवन ऐप रेल यात्रा से संबंधित विभिन्न सेवाओं का एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिससे यात्रियों को अलग-अलग ऐप का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं रहती। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य यात्रियों को रेलवे के आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना तथा डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देना है। रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर ही 3 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। यह सुविधा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए यात्रियों को रेलवन ऐप के माध्यम से जनरल टिकट बुक कर भुगतान यूपीआई, क्रेडिट कार्ड अथवा नेट बैंकिंग के माध्यम से करना होगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से रेलवे स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर भीड़ कम होगी, यात्रियों के समय की बचत होगी, नकद लेन-देन में कमी आएगी तथा टिकट बुकिंग प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनेगी। रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषता इसका सिंगल साइन-ऑन सिस्टम है। जो यात्री पहले से रेलकनेक्ट (Rail Connect) या यूटीएस ऑन मोबाइल (TS on Mobile) ऐप का उपयोग कर रहे हैं, वे उसी यूजर आईडी एवं पासवर्ड से रेलवन ऐप में लॉगिन कर सकते हैं। इसके लिए अलग से नया पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है।

एक ही ऐप पर अनेक सुविधाएं

रेलवन ऐप एंड्रॉयड एवं आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर निःशुल्क उपलब्ध है। एक बार लॉगिन करने के बाद यात्री आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, लाइव ट्रेन स्टेटस, पीएनआर एवं आरक्षण विवरण, टिकट रद्दीकरण एवं रिफंड, ट्रेन में सीट पर भोजन ऑर्डर तथा रेल मदद के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने एवं उसके निस्तारण जैसी अनेक सुविधाओं का लाभ एक ही ऐप पर प्राप्त कर सकते हैं। यह ऐप कई भारतीय भाषाओं को भी सपोर्ट करता है, जिससे देशभर के यात्रियों के लिए इसका उपयोग और अधिक सरल हो गया है।

भोपाल मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे रेलवन ऐप डाउनलोड कर अधिकाधिक उपयोग करें तथा भारतीय रेलवे की डिजिटल सेवाओं का लाभ उठाएं। इससे उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी, स्टेशन पर समय की बचत होगी तथा भारतीय रेलवे की डिजिटल पहल को भी मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से जेल विभाग की ऐतिहासिक पहल

बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए प्रदेश में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश जेल विभाग ने बंदियों के समग्र स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (आर.आर.यू.), गांधीनगर, गुजरात के सहयोग से आयोजित यह सात दिवसीय प्रशिक्षण भोपाल स्थित क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य जेलों में निरुद्ध बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान, संरक्षण, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाना है। महानिदेशक जेल डॉ. कपूर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बंदियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा जेल विभाग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। अब तक विभाग द्वारा शारीरिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक प्रभावी प्रयास किए जाते रहे हैं, वहीं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अब वैज्ञानिक एवं संस्थागत व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का संरक्षण बंदियों के पुनर्वास, व्यवहार सुधार तथा जेलों में सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। महानिदेशक जेल डॉ. कपूर ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रदेश की विभिन्न जेलों से चयनित 30

प्रतिभागी, जिनमें जेल प्रहरी एवं पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद ये अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी-अपनी जेलों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रसित बंदियों की पहचान, उनके रिकॉर्ड का वैज्ञानिक संधारण, प्रारंभिक परामर्श, आवश्यक रेफरल तथा प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सक्षम होंगे। महानिदेशक जेल डॉ. कपूर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में यह पहल जेल प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। विभाग आगामी चरणों में प्रदेश की विभिन्न जेलों में साइको सोशल काउंसिलिंग सेंटर स्थापित करने, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम संचालित करने तथा इस क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने की दिशा में भी कार्य कर रहा है।

434 साल बाद खुला इतिहास का खजाना! पन्ना के मंदिर में मिली 'रसिकप्रिया' की दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपि

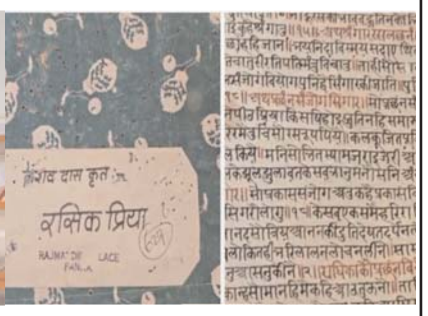

पन्ना (ए.)। मध्य प्रदेश में चल रहे ज्ञान भारतम् अभियान के तहत पन्ना जिले से भारतीय इतिहास और हिंदी साहित्य से जुड़ी एक बड़ी और महत्वपूर्ण खोज सामने आई है। जिले के श्री राम-जानकी मंदिर में महाकवि आचार्य केशवदास द्वारा वर्ष 1591 ईस्वी में रचित प्रसिद्ध ग्रंथ %रसिकप्रिया% की दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपि मिली है। इसे हिंदी साहित्य और भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर माना जा रहा है। अभियान के दौरान सैकड़ों वर्ष पुरानी कई अन्य पांडुलिपियां और ऐतिहासिक दस्तावेज भी सामने आए हैं, जिनके संरक्षण और डिजिटाइजेशन की तैयारी शुरू कर दी गई है।

1591 की 'रसिकप्रिया' बनी सबसे बड़ी खोज

ज्ञान भारतम् अभियान के दौरान पन्ना के श्री राम-जानकी मंदिर में महाकवि आचार्य केशवदास की वर्ष 1591 ईस्वी में लिखी गई प्रसिद्ध कृति 'रसिकप्रिया' की हस्तलिखित प्रति मिली है। 'रसिकप्रिया' हिंदी साहित्य की सबसे महत्वपूर्ण कृतियों में गिनी जाती है। इसमें श्रृंगार रस, नायिका-भेद और काव्य सौंदर्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। चार सौ वर्ष से अधिक पुरानी इस पांडुलिपि का सुरक्षित मिलना हिंदी साहित्य और भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

64 स्थानों से मिलीं सैकड़ों साल पुरानी पांडुलिपियां

ज्ञान भारतम् अभियान के तहत पन्ना जिले के घरों, मंदिरों और निजी संग्रहों में व्यापक खोज अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले के 64 अलग-अलग स्थानों से करीब 300 से 400 वर्ष पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियां और ऐतिहासिक दस्तावेज मिले हैं। इनमें लगभग 220 वर्ष पुरानी श्रीमद्भागवत महापुराण की हस्तलिखित पांडुलिपि, प्राचीन विश्व मानचित्र और कई दुर्लभ धार्मिक व ऐतिहासिक ग्रंथ शामिल हैं। इसके अलावा प्रणामी संप्रदाय, जैन समुदाय और हिंदू धर्म से जुड़े भागवत गीता, पुराण सहित कई महत्वपूर्ण हस्तलिखित ग्रंथ भी मिले हैं।

नाना पटवारी ने कहा-दो-तीन साल पहले लेता था ड्रग्स, अब तो शराब भी नहीं पीता

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े मामले में कई घंटे पूछताछ के बाद पुलिस ने छोड़ दिया। रिहा होने के बाद नाना पटवारी पहली बार मीडिया के सामने आए और अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया। उन्होंने माना कि वह दो-तीन साल पहले ड्रग्स लेते थे, लेकिन अब न तो ड्रग्स लेते हैं और न ही शराब को हाथ लगाते हैं। वहीं जीतू पटवारी ने पूरे मामले को राजनीतिक साजिश बताते हुए सरकार पर परिवार को झूठे मामलों में फंसाने का आरोप लगाया।

'आरोपियों को जानता हूं, लेकिन मेरा केस से कोई लेना-देना नहीं'

नाना पटवारी ने कहा कि वह सर्विस सेंटर पर बैठे थे, तभी पुलिस अधिकारी आए और उन्हें अपने वाहन में बैठाकर इधर-उधर घुमाते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने यह तक नहीं बताया कि किस मामले में हिरासत में लिया गया है और उनका मेडिकल भी नहीं कराया गया। उन्होंने बताया कि वह अपनी गाड़ी सर्विस सेंटर पर देने गए थे, जहां से पुलिस उन्हें थाने ले गई और गिरफ्तार आरोपियों के बारे में पूछताछ की। नाना ने कहा कि वह संजय कौशल को जानते हैं क्योंकि उसकी गाड़ी उनके सर्विस सेंटर पर आती है, लेकिन उन्होंने कभी ड्रग्स नहीं मंगाई और इस मामले से उनका कोई संबंध नहीं है।

'पहले ड्रग्स लेता था, अब शराब भी नहीं पीता'

नाना पटवारी ने कहा कि वह दो-तीन साल पहले ड्रग्स लेते थे और इसे अपनी गलती मानते हैं। हालांकि अब उन्होंने पूरी तरह नशा छोड़ दिया है और शराब तक को हाथ नहीं लगाते। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने उनका आरोपियों से आमना-सामना नहीं कराया। जिन लोगों को पकड़ा गया है, वे राऊ विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले हैं और इलाके के कई लोग उन्हें जानते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनका किसी अपराध से संबंध है।

जीतू पटवारी बोले- 'मैं डरने वाला नहीं'

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार उन्हें और उनके परिवार को झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे।

अंतिम विदाई में भी सुकून नहीं : चिता जलाने के बाद आई बारिश, गांववाले त्रिपाल लगाकर खड़े रहे ताकि बुझ न जाए आग

मैहर (ए.)। मैहर जिले के भड़रा गांव से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई है। यहां एक वृद्ध महिला के अंतिम संस्कार के दौरान अचानक हुई तेज बारिश ने पूरे कार्यक्रम को प्रभावित कर दिया। गांव में मुक्तिधाम और टीन शेड जैसी आवश्यक सुविधाएं नहीं होने के कारण ग्रामीणों को त्रिपाल लगाकर किसी तरह अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ी। इस दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार भड़रा गांव निवासी विश्वकर्मा समाज की 83 वर्षीय सरोज पत्नी स्वर्गीय शुभकरण विश्वकर्मा, का तीन दिन पहले निधन हो गया था। परिवार और ग्रामीण परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार कर रहे थे। इसी बीच मौसम ने अचानक करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई। अंतिम संस्कार स्थल पर किसी प्रकार का स्थायी शेड नहीं होने के कारण वहां मौजूद लोगों को तत्काल त्रिपाल लगाकर बारिश से बचाव करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जा सकी।

खुले पहाड़ी क्षेत्र में होता है अंतिम संस्कार

ग्रामीणों का कहना है कि भड़रा गांव में आज तक मुक्तिधाम का निर्माण नहीं किया गया है। मजबूरी में गांव के लोगों को खुले पहाड़ी क्षेत्र में अंतिम संस्कार करना पड़ता है। गर्मी, बारिश और अन्य प्रतिकूल मौसम के दौरान अंतिम संस्कार में शामिल लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

ग्रामीण बोले— अब तक नहीं बनी कोई स्थायी व्यवस्था

ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने मुक्तिधाम निर्माण की मांग रखी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के लिए भी यदि लोगों को त्रिपाल का सहारा लेना पड़े, तो यह ग्रामीण क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कमी को दर्शाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द मुक्तिधाम, टीन शेड, चबूतरा, पानी और बैठने की व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है।

वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने लिया संज्ञान

घटना का वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया है। जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायत से चर्चा कर उपयुक्त स्थान का चयन किया जाएगा और वहां दाह संस्कार के लिए मुक्तिधाम का निर्माण कराया जाएगा।

दान विवाद से चर्चा में आया मां बगलामुखी मंदिर, आखिर क्यों देशभर की आस्था का बड़ा केंद्र है यह सिद्धपीठ?

आगर मालवा (ए.)। अयोध्या राम मंदिर में दान और चंदे को लेकर उठे विवाद की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर से भी दान में कथित हेरफेर का मामला सामने आ गया। शिकायतों के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन इस विवाद के बीच सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर नलखेड़ा का मां बगलामुखी मंदिर इतना प्रसिद्ध क्यों है, जहां हर साल देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु, साधक और विशिष्ट लोग पहुंचते हैं।

दान में हेरफेर के आरोप, सरकार ने बनाई जांच समिति

आगर-मालवा कलेक्टर ने मंगलवार को तीन सदस्यीय जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि आधिकारिक मंदिर प्रबंधन समिति से अलग एक गैर-सरकारी समिति श्रद्धालुओं से चंदा और दान एकत्र कर रही थी। आरोप है कि भक्तों द्वारा दान में दिए गए नकद, सोना, चांदी, आभूषण और अन्य कीमती सामान समानांतर व्यवस्था के जरिए एकत्र कर निजी बैंक खातों में जमा किए जा रहे थे। इन शिकायतों के आधार पर राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

आस्था और तंत्र साधना का बड़ा केंद्र है नलखेड़ा

आगर मालवा जिले की नलखेड़ा तहसील में लखुंदर नदी के किनारे स्थित पीतांबरा सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों और तंत्र साधना स्थलों में गिना जाता है। हर साल यहां देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु, साधक और तांत्रिक दर्शन, विशेष पूजा और अनुष्ठान के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि मां बगलामुखी की आराधना से शत्रु बाधाएं दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

महाभारत काल से जुड़ी है इस मंदिर की मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां बगलामुखी की प्रतिमा स्वयंभू है। मंदिर का वर्तमान स्वरूप वर्ष 1816 में हुए जीर्णोद्धार के बाद विकसित हुआ, जबकि इसकी स्थापना महाभारत काल से जुड़ी मानी जाती है। लोक मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर पांडवों ने कौरवों पर विजय प्राप्त करने के लिए इसी स्थान पर मां बगलामुखी की साधना की थी। तभी से यह सिद्धपीठ विजय, शत्रु बाधा निवारण और मनोकामना पूर्ति का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

न्यायालयीन विवाद से लेकर चुनावी सफलता तक की मान्यता

नलखेड़ा का यह मंदिर तंत्र साधना के लिए भी विशेष पहचान रखता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां मां बगलामुखी की आराधना से शत्रुओं का स्तंभन होता है और न्यायालयीन विवाद, चुनावी सफलता तथा कठिन परिस्थितियों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं।

मानसूनी गश्त में मिला रहस्यमयी कंकाल, जताई जा रही बाघ का होने की आशंका, जांच के बाद होगा खुलासा

उमरिया (ए.)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून के दौरान चल रही विशेष गश्त के बीच वन विभाग को एक ऐसी सूचना मिली जिसने पूरे अमले को सतर्क कर दिया। ताला परिक्षेत्र के मझखेता बीट के घने और दुर्गम जंगल में गश्त कर रही टीम को एक मांसाहारी वन्यप्राणी का कंकाल मिला। प्रारंभिक जांच में वन्यजीव विशेषज्ञों ने इसे बाघ का कंकाल होने की आशंका जताई, जिसके बाद पूरे मामले में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 9 जुलाई को मानसूनी गश्त के दौरान यह कंकाल मिला। सूचना मिलते ही क्षेत्र संचालक, उप संचालक, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की बारीकी से जांच की गई। किसी भी तरह के भौतिक साक्ष्य छूट न जाएं, इसके लिए डॉग स्क्वाड की मदद से आसपास का क्षेत्र खंगाला गया। वहीं मेटल डिटेक्टर से भी जांच कर संभावित साक्ष्यों की तलाश की गई।

वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी ने मौके पर निरीक्षण के बाद प्रथम दृष्टया इसे बाघ का कंकाल होने की संभावना व्यक्त की। हालांकि प्रजाति और लिंग की अंतिम पुष्टि वैज्ञानिक परीक्षण के बाद ही संभव होगी। समयाभाव और आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के चलते 9 जुलाई को पोस्टमार्टम और अंतिम प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

इसके बाद 10 जुलाई को वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में NTCA के निर्धारित मानकों और प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कंकाल का विधिवत परीक्षण किया गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी और ताला के सहायक पशु चिकित्सा शल्यज्ञ ने संयुक्त रूप से जांच की। इस दौरान प्रजाति और लिंग की पुष्टि के लिए आवश्यक जैविक नमूने एकत्र किए गए। साथ ही पूरे घटनाक्रम का दस्तावेजीकरण और साक्ष्य संकलन भी किया गया। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद निर्धारित नियमों के तहत कंकाल का अग्नि दहन कर विनष्टीकरण किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पूरी कार्रवाई राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों और विधिक प्रावधानों के अनुरूप संपन्न की गई है।

फिलहाल वन विभाग वैज्ञानिक परीक्षण की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मिला हुआ कंकाल वास्तव में बाघ का है या किसी अन्य मांसाहारी वन्यजीव का। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून के दौरान जारी विशेष गश्त का उद्देश्य वन्यजीवों की सुरक्षा, अवैध गतिविधियों पर निगरानी और जंगलों की सतत निगरानी सुनिश्चित करना है।

इंदौर में चलती ट्रेन पकड़ने की कोशिश में युवक गिरा पटरी पर, कटने से मौत

इंदौर(ए.)। इंदौर रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन पकड़ने के चक्कर में एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह की है। युवक व्यापार के सिलसिले में इंदौर आया था और स्टेशन पर आने में उसे देर हो गई थी। ट्रेन चल चुकी थी। चलती ट्रेन पकड़ना उसके जीवन के लिए भारी पड़ गया।

युवक की पहचान ग्वालियर निवासी हर्ष गुप्ता के रूप में हुई। वह हर दो-तीन महीने में इंदौर और आसपास के शहरों में आता था। रात को वह ग्वालियर की ओवरनाइट एक्सप्रेस में सवार हुआ था और सुबह इंदौर रेलवे स्टेशन पर उतरा था। उसे रतलाम जाने वाली ट्रेन पकड़ना थी, जो प्लेटफॉर्म नंबर एक से जाती थी। वह प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर था। वहां से वह आया और चलती ट्रेन में सवार होने लगा। इस बीच उसका पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच बने गैप में गिर पड़ा। उसके शरीर का आगे का हिस्सा ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार में मजबूत उछाल; सेंसेक्स 828 अंक चढ़ा, निफ्टी 24200 के पार पहुंचा

मुंबई ()। शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को एक फीसदी की वृद्धि के साथ बंद हुए। यह लगातार दूसरा दिन था जब बाजार में तेजी दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में उछाल से बाजार को मजबूती मिली।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में खरीदारी से भी घरेलू बाजार में तेजी आई। टीसीएस ने जून तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में वृद्धि दर्ज की थी। कंपनी ने चालू तिमाही में मांग में सुधार की उम्मीद भी जताई।

सेंसेक्स और निफ्टी में कितनी वृद्धि हुई?

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 827.57 अंक या 1.08 फीसदी बढ़कर 77,569.39 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 900.41 अंक या 1.17 फीसदी उछलकर 77,642.23 तक पहुंच गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 244.10 अंक या 1.02 फीसदी बढ़कर 24,206.90 पर समाप्त हुआ।

किन शेयरों ने बाजार को सहारा दिया?

सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और इंफोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहे। टीसीएस का शेयर एक फीसदी बढ़कर बंद हुआ। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी ने गुरुवार को जून तिमाही में 13,349 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। यह पिछले साल की समान अवधि से 4.61 फीसदी अधिक है। कंपनी ने पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित मांग में चालू तिमाही में सुधार की उम्मीद जताई। ब्लू-चिप शेयरों में ईटरनल, भारती एयरटेल, सन फार्मा और ट्रेंट नुकसान में रहे।

वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की स्थिति क्या रही?

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.30 फीसदी गिरकर 76.07 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए।

रुपया 15 पैसे मजबूत होकर 95.32 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया गुरुवार को 95.47 पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.32 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और पश्चिम एशिया में तनाव से जुड़ी अनिश्चितताओं का स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में दिन की मजबूत शुरुआत से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 95.27 पर खुला। बाद में 95.32 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

सोना 410 रुपए हुआ सस्ता, चांदी 477 रुपए चढ़ी

- सोना 1,44,89 रुपए प्रति 1 ग्राम, चांदी 2,26,368 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली (ए.)। मध्य पूर्व में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते निवेशकों ने शुक्रवार को सतर्कता बरती। इसी का असर सोने-चांदी के कारोबार में मिलाजुले रुझानों के रूप में देखा गया, जहां सोना नरमी के साथ खुला, वहीं चांदी ने शुरुआती सुस्ती के बाद तेजी दर्ज की। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,135 डॉलर प्रति औंस के करीब फिसल गया, जबकि चांदी 60.75 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। भारतीय वायदा बाजार एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने तक सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,42,900 रुपये पर, जबकि चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,26,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 410 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,890 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,45,300 रुपये था। दिन के कारोबार में यह 384 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,916 रुपये पर कारोबार करता रहा। इसने 1,45,061 रुपये का उच्च और 1,44,860 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। इसके विपरीत एमसीएक्स पर चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट ने शुरुआती सुस्ती के बाद मजबूती दिखाई। यह 11 रुपये की गिरावट के साथ 2,26,368 रुपये पर खुला, लेकिन बाद में 477 रुपये की बढ़त के साथ 2,26,854 रुपये पर कारोबार करने लगा। पिछला बंद भाव 2,26,377 रुपये था। दिन के दौरान इसने 2,26,960 रुपये का उच्चतम और 2,25,871 रुपये का न्यूनतम स्तर देखा। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलो का सर्वोच्च स्तर छुआ है। कॉमेक्स पर भी सोने में नरमी बनी रही, यह 4,135.40 डॉलर प्रति औंस पर खुला और 5.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,135.10 डॉलर पर कारोबार करता रहा। वहीं कॉमेक्स पर चांदी ने शुरुआती कमजोरी के बाद रिकवरी की और 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 60.91 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जबकि यह 60.41 डॉलर पर खुली थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है?

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की ठोस योजना पर काम ना हुआ हो?

छिहत्तर साल पहले लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गुलामी जैसी किसी प्रथा को निषिद्ध घोषित किया गया। मगर बंधुआ मजदूरी को कानूनन प्रतिबंधित करने में 26 साल और लगे। 1976 में बंधुआ मजदूरी पर रोक का कानून पारित हुआ। अब उसके बाद 50 साल और गुजर चुके हैं। लेकिन जमीनी हकीकत उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जिले का मांडी गांव है, जहां दोना बनाने वाली फैक्टरी से 12 बंधुआ मज़दूर छुड़ाए गए हैं। वैसे मांडी गांव भी सिर्फ एक झांकी है। बंधुआ और बाल बंधुआ मजदूरों से काम लेने या कभी-कभार उन्हें छुड़ाने की खबरें अक्सर हमारे सामने आती रहती हैं।

मांडी की घटना बहुचर्चित हुई, तो इसलिए कि वहां मजदूरों से बर्बरता की इंतहा कर दी गई। उनकी दुर्दशा की कहानियों ने लोगों को झकझोरा है। पुलिस और उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में छुड़ाए गए इन श्रमिकों के बारे में सामने आया है कि उन्हें कैदियों की तरह रखा गया, मोबाइल छीन लिए गए, पहचान-पत्र जला दिए गए और बाहर निकलने की मनाही कर दी गई। मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक कुछ मज़दूरों की पसलियां टूट गईं, कई के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं और आरोप है कि अत्याचार के चलते कुछ लोगों की मौत भी हुई। यह बात पुलिस ने कही है कि फैक्टरी में मजदूरों से जानवरों जैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया जाता था।

उन्हें लोहे की गर्म रॉड, बेल्ट और डंडों से बुरी तरह पीटा जाता था। ये मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छतीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से वहां काम की तलाश में वहां आए थे। तो प्रश्न है कि संवैधानिक उद्घोषणा और बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां हैं? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की किसी ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? विचारणीय मुद्दा है कि अलग- अलग राज्यों से पलायन कर बंधुआ बनने के लिए किसी दूसरी जगह पर मजदूर क्यों आते हैं? दरअसल, ऐसी हर कहानी आजीविका की बदहाल सूरत का सबूत है, जो अपने लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न-चिह्न भी है।

ईरान-अमेरिका समझौता टूटा -बढ़ती महंगाई का आघात वैश्विक भू- राजनीतिक तनाव और भारतीय अर्थव्यवस्था -क्या नई चुनौतियों का दौर शुरू?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया- वैश्विक स्तर पर इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व अर्थव्यवस्था के लिए, जितना अवसरों का युग सिद्ध हो रहा है,उतना ही अनिश्चितताओं औरबहुआयामी चुनौतियों का भी। कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था ने पुनरुद्धार की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ाए,लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान अमेरिका युद्ध पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, समुद्री व्यापार मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिम,ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता तथा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की सख्त मौद्रिक नीतियों ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को फिर से कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज महंगाई केवल किसी एक देश की घरेलू समस्या नहीं रह गई है,बल्कि यह एक वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जिसका प्रभाव विकसित और विकासशील दोनों प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान अमेरिका समझौता टूटने से आज 9 जुलाई 2026 को दोनों ने एक दूसरे के ऊपर भयंकर हमले किए हैं,स्पष्ट है कि अमेरिका-ईरान तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है,बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई, वित्तीय बाजारों और भारत जैसे उभरते देशों की विकास यात्रा पर पड़ता है। इसलिए भारत के लिए समय की मांग केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति तैयार करना है जो बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी देश की विकास गति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रख सके। भारत इस वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण इन घटनाक्रमों से अछूता नहीं रह सकता।भारत विश्व के सबसे बड़े कच्चा तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है।यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का उत्पादन महंगा होता है, कृषि क्षेत्र में डीजल और उर्वरकों का खर्च बढ़ता है तथा अंततः खाद्य वस्तुओं और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। यही वह श्रृंखला है, जो महंगाई को केवल आर्थिक शब्द नहीं रहने देती, बल्कि प्रत्येक परिवार के मासिक बजट और जीवन स्तर से सीधे जोड़ देती है।

साथियों, कृषि क्षेत्र भी इन वैश्विक परिस्थितियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन खेती में डीजल, उर्वरक, सिंचाई, परिवहन और भंडारण की लागत लगातार बढ़ने पर किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि मौसम की अनिश्चितता भी साथ जुड़ जाए, तो खाद्यान्न उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इससे

खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की रसोई पर पड़ता है। यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा,कृषि सुधार आधुनिक भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना आज केवल कृषि नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

साथियों, महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवार तब सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जब उनकी आय की तुलना में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, गैस और आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च परिवारों के मासिक बजट को असंतुलित कर देता है। यदि ब्याज दरें भी ऊँची बनी रहती हैं तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यापारिक ऋण की मासिक किस्तें बढ़ सकती हैं। इस प्रकार महंगाई केवल आर्थिक सूचकांक नहीं रहती,बल्कि प्रत्येकपरिवार के जीवन स्तर और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित करने वाला वास्तविक सामाजिक प्रश्न बन जाती है। साथियों, आज विश्व व्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। अमेरिका अपनी मौद्रिक नीति, तकनीकी नवाचार और डॉलर की वैश्विक भूमिका के माध्यम से आर्थिक नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।चीन विनिर्माण, निर्यात, दुर्लभ खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।यूरोपीय संघ ऊर्जा विविधीकरण हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिवर्तन पर बल दे रहा है,जबकि जापान तकनीकी नवाचार, उच्च उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता के माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। इन परिस्थितियों में भारत केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है।

साथियों, भारत के पास आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी,तेजी से बढ़ता डिजिटल बुनियादी ढाँचा, विशाल घरेलू बाजार, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, मजबूत बैंकिंग प्रणाली,व्यापक भुगतान नेटवर्क, तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और आधारभूत संरचना में निरंतर निवेश जैसी अनेक शक्तियाँ हैं। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ आज चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करते हुए भारत को दीर्घकालिक विनिर्माण, अनुसंधान, डिजिटल सेवाओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखने लगी हैं। यदि भारत इन अवसरों का सही उपयोग करता है तो वर्तमान वैश्विक संकट भी उसके लिए दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। हालाँकि अवसरों के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। यदि वैश्विक महंगाई लंबे समय तक बनी रहती है, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतें ऊँचे स्तर पर बनी रहती हैं या समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान आता है, तो भारत के आयात बिल, चालू खाते के घाटे, राजकोषीय प्रबंधन और महंगाई नियंत्रण पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन, असामान्य मानसून, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और वैश्विक व्यापार में बढ़ती संरक्षणवादी नीतियाँ भी भविष्य की आर्थिक रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए भारत को केवल तात्कालिक समाधान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों पर भी निरंतर कार्य करना होगा। साथियों, ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक होनी चाहिए। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, परमाणु ऊर्जा और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार देश को भविष्य के ऊर्जा संकटों से अपेक्षाकृत सुरक्षित बना सकता है। इसके साथ-साथ रेलवे, जलमार्ग, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, कोल्ड स्टोरेज, डिजिटल अवसंरचना और स्मार्ट विनिर्माण में निवेश उत्पादन लागत कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि भारत अनुसंधान एवं विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण और उच्च तकनीक उद्योगों में अपनी क्षमता को और मजबूत करता है,तो वह केवलउपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकता है। साथियों, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ यह भी स्पष्ट कर रही हैं कि आधुनिक अर्थव्यवस्था केवल घरेलू नीतियों से संचालित नहीं होती। किसी भी देश में होने वाला युद्ध, प्रतिबंध, समुद्री मार्गों में व्यवधान, ऊर्जा संकट या मुद्रा बाजार में अस्थिरता कुछ ही दिनों में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। वैश्वीकरण के इस युग में देशों की आर्थिक नियति पहले की तुलना में कहीं अधिक परस्पर जुड़ चुकी है।

विशेष लेख : राजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़ः 'ऑटो म्यूटेशन' और 'ऑटो डायवर्सन' से जमीन संबंधी सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

विष्णु प्रसाद वर्मा

सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरा तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन (स्वत: नामांतरण) और ऑटो डायवर्सन (स्वत: व्यवर्तन) जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है।

पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वत: संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

आंकड़ों की जुबानी: सफलता की एक नई गाथा

राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है।

वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैं; अत: इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है।

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन : विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

श्रीपाद नाइक

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए।

इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है।

भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए।

ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता दृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थायित्व पर आधारित व्यावहारिक रास्तों को आगे बढ़ाने का अवसर देती है

पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए।

लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं। भारत की 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नये बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होने की संभावना है। आज कार्यभार अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना अधिक प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा और आपके जूनियर आपसे काम सीखने आएंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के प्रयासों में काफी हद तक सफलता मिलेगी। आज कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लें। जमीन से जुड़ा आज बड़ा मामला सुलझ जाएगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिये दिन अच्छा है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये बढ़िया रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम बड़े भाई की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सीक्रेट रखें, तो सफलता जरूर हासिल होगी। पूर्व निर्धारित काम आज पूरे हो जाएंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे। कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। सोशल मीडिया या फोन कॉल के माध्यम से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे, जो आपको फायदा जरूर होगा। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आएंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मनपसंद तोहफा मिल सकता है। आपके सकारात्मक दृष्टिकोण से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग पर्यटन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपति को आज किसी सामाजिक समारोह में जाना पड़ सकता है, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जाएगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी मजाक होगा। साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें, वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जाएगा।

बच्चों की चहकती ज़िंदगी पर पड़ रहा विकास का काला साया

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जब किसी शहर से बच्चों की खिलखिलाहट गुम होने लगे, समझ लेना चाहिए कि वहां विकास ने दिशा खो दी है। किसी समाज की असली समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से आए खुले आसमान, हरियाली और सुरक्षित खेल-स्थलों में दिखाई देती है। दुर्भाग्य से शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, सार्वजनिक पार्क और खेल के मैदान उतनी ही तेजी से सिमट रहे हैं। जहां कभी नंगे पांव दौड़ता बचपन सपने संजोता था, वहां आज सूखी जमीन, टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां और कंक्रीट का फैलता साम्राज्य खड़ा है। यह केवल सौंदर्य का ह्रास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर मौन प्रहार है। यदि बचपन से खेल, प्रकृति और खुलापन छीन लिया गया, तो उसकी कीमत केवल बच्चे नहीं, पूरा समाज चुकाएगा। कंक्रीट की हर नई दीवार हरियाली की कीमत पर खड़ी होती है। बीते दो दशकों में अनियोजित शहरीकरण, प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और नागरिक चुप्पी ने सार्वजनिक पार्कों को उपेक्षित कर दिया। कई महानगरों में प्रति बच्चे उपलब्ध खेल क्षेत्र आधे से भी कम रह गया है। नतीजा—बचपन स्क्रीन में कैद है। शारीरिक गतिविधियां घटने से मोटापा, मानसिक तनाव, अकेलापन और व्यवहारगत समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रकृति से कटता बचपन तकनीक में दक्ष, पर शरीर से दुर्बल और मन से असंतुलित होता जा रहा है। यह समाज के भविष्य की गंभीर चेतावनी है।बचपन की पहली पाठशाला किसी इमारत में नहीं, बल्कि खुले आकाश के नीचे बसती है। पार्क केवल खेल का मैदान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहीं बच्चे मित्रता, सहयोग, अनुशासन, हार-जीत का संतुलन और प्रकृति से रिश्ता सीखते हैं। मिट्टी की सोंधी गंध, पेड़ों की छांव, पक्षियों का कलरव और साथियों का साथ वे संस्कार देते हैं, जो कोई स्क्रीन या बंद कमरा नहीं दे सकता। पार्क खत्म होते हैं, तो बचपन का यह अध्याय अधूरा रह जाता है। सबसे अधिक मार सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ती है, जिनके पास निजी क्लब या महंगे प्ले जोन का विकल्प नहीं होता। उनके बच्चे गलियों, छतों और व्यस्त सड़कों पर खेलने को विवश हैं। खेल का अधिकार भी अब आर्थिक असमानता की भेंट चढ़ रहा है।सबसे भयावह स्थिति तब होती है, जब बच्चों के लिए बनी जगहें ही असुरक्षित हो जाएं। जो पार्क बचे हैं, उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। रखरखाव का बजट आता है, पर उसका बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार या अधूरे कार्यों में सिमट जाता है।

टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां, गंदे पानी के गड्ढे, सूखी घास और कचरा अब सामान्य दृश्य हैं। अनेक स्थानों पर अतिक्रमण ने पार्कों की जमीन निगल ली है। कहीं राजनीतिक आयोजन, कहीं अस्थायी निर्माण, तो रात होते ही कई पार्क असामाजिक तत्वों और शराबियों के अड्डे बन जाते हैं। नतीजा यह है कि जहां बच्चों को सबसे सुरक्षित होना चाहिए, वहीं जाने से परिवार कतराने लगे हैं। किसी संवेदनशील समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? हर उजड़ा पार्क योजनाओं नहीं, ईमानदार इच्छाशक्ति की मांग करता है। यह संकट असाध्य नहीं, यदि सरकारें इसे सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न मानें। प्रत्येक शहर में पार्क पुनर्जागरण मिशन के तहत पुराने पार्कों का वैज्ञानिक पुनर्विकास, सुरक्षित खेल उपकरण और नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय हो। हर नए आवासीय प्रकल्प में 18 से 20 प्रतिशत क्षेत्र हरित पार्क और खेल क्षेत्र के लिए कानूनी रूप से आरक्षित हो। डिजिटल निगरानी, सामाजिक ऑडिट और वित्तीय पारदर्शिता से सुनिश्चित किया जाए कि पार्कों का बजट कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखे। विकास की हर योजना में बच्चों का खेल क्षेत्र अंतिम नहीं, पहला अधिकार होना चाहिए।सरकारें अकेले बचपन नहीं बचा सकतीं; समाज को भी आगे आना होगा। किसी मोहल्ले का पार्क तभी जीवित रहता है, जब लोग उसे अपना मानें। स्थानीय निवासी, स्वयंसेवी संस्थाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा मिलकर पार्कों को गोद लें, स्वच्छता, वृक्षारोपण और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा व्यवस्था भी सहभागी बने।

विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह पार्क डे हो, जहां बच्चे खेल के साथ प्रकृति को समझें, पर्यावरण संरक्षण सीखें और खुली हवा में सामूहिक गतिविधियों का अनुभव करें। अभिभावकों को भी समझना होगा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल कोचिंग, अंक और डिजिटल उपकरणों से नहीं, बल्कि खुले मैदान, मिट्टी की सोंधी खुशबू और प्रकृति के सान्निध्य से भी होता है।कानून तभी सार्थक होते हैं, जब वे कागज से उतरकर जनजीवन की रक्षा करें। सार्वजनिक पार्कों को शून्य सहनशीलता क्षेत्र घोषित किया जाए, जहां अतिक्रमण, व्यावसायिक उपयोग, राजनीतिक आयोजन और असामाजिक गतिविधियों की कोई जगह न हो। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई, कठोर दंड और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। नगर निकायों का निरीक्षण औपचारिकता न रहे; प्रत्येक पार्क की स्थिति सार्वजनिक पोर्टल पर हो, ताकि नागरिक भी निगरानी कर सकें। प्रशासन की दृढ़ता और समाज की सजगता से ही पार्कों की गरिमा लौटेगी। अन्यथा विकास की चकाचौंध में बचपन का उजाला खोता रहेगा और हम आंकड़ों में प्रगति तलाशते रह जाएंगे।

राष्ट्रपति को भेजा केतन के पिता ने भावुक ईमेल, फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग की

नई दिल्ली(आरएनएस)। महाराष्ट्र में पुणे के लोहगढ़ किले में केतन अग्रवाल की बेरहमी से दर्दनाक हत्या के एक महीने लगभग पूरे होने को है. पुणे शहर के इस बहुचर्चित हत्याकांड में एक नया मोड़ आ गया है. एक बाप की फ़रियाद अब न्याय की गुहार के रूप में देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच गई है. पीड़ित पिता ने राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा भावुक पत्र. बेटे और पिता दोनों को खोने का दर्द बयां कर फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग की है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड में राष्ट्रपति से लगी न्याय की गुहार. केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक बेहद दर्दभरा और भावुक ई-मेल भेजा है।

केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल न्याय की गुहार लेकर राष्ट्रपति के पास पहुंचे हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ईमेल लिखकर गुज़ारिश की है कि उनके बेटे को भी महज एक फाइल बनाकर ना छोड़ दिया जाए और दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द से जल्द सजा मिले।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने लिखा, महामहिम, मैं यह पत्र किसी व्यवसायी या किसी प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नहीं लिख रहा हूं. मैं सिर्फ एक बिखर चुका बाप हूं, जो अपने दिवंगत बेटे के लिए आपसे जल्द से जल्द इंसाफ की मांग कर रहा है।

एमसीडी की राजनीति में बड़ा उलटफेर, आईवीपी के 16 पार्षद बीजेपी में होंगे शामिल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली नगर निगम (MCD) की सियासत में एक बहुत बड़ा उलटफेर होने जा रहा है, जिससे राजधानी का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएगा। आम आदमी पार्टी (AAP) से बगावत कर अलग दल बनाने वाली इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (IVP) के सभी 16 पार्षद आज औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामने जा रहे हैं। इस बड़े विलय के बाद एमसीडी में भाजपा की ताकत में भारी इजाफा होगा। दिल्ली भाजपा कार्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की गरिमामयी मौजूदगी में आईवीपी का भाजपा में आधिकारिक विलय कराया जाएगा। इसके साथ ही कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा आज ही वार्ड कमेटियों के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन पद के प्रत्याशियों के नामों की भी घोषणा कर सकती है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, ओएनजीसी मंगलुरु में बनाएगा बड़ा तेल भंडार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पश्चिम एशिया में लगातार गहराते भू-राजनीतिक संकट और समुद्री व्यापारिक मार्गों पर मंडराते खतरों के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा आत्मनिर्भरता को चाक-चौबंद करने के लिए एक बेहद रणनीतिक और बड़ा कदम उठाया है. वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितताओं के मद्देनजर देश की शीर्ष सार्वजनिक तेल और गैस अन्वेषण कंपनी ने दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्र में एक विशाल नया रणनीतिक कच्चे तेल का भंडार स्थापित करने की घोषणा की है. इस महत्वपूर्ण परियोजना के जरिए देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय आपातकाल या युद्ध जैसी स्थितियों में अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों को बिना किसी व्यवधान के पूरा करने में सक्षम हो सकेगा.ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा नया सुरक्षा कवच, विदेशी तेल पर निर्भरता की चुनौतीदुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश के रूप में भारत अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का एक बहुत बड़ा हिस्सा विदेशी बाजारों से आयात करता है. हाल के दिनों में वैश्विक तनाव के चलते जब प्रमुख समुद्री संकीर्ण मार्गों से होने वाली सप्लाई चेन प्रभावित हुई, तो घरेलू स्तर पर सुरक्षात्मक कदम उठाने की आवश्यकता बेहद बढ़ गई. इसी के समाधान के तौर पर सरकारी तेल कंपनी ने नियामक फाइलिंग में जानकारी दी है कि वह मंगलुरु में 17.5 लाख टन की क्षमता वाला एक नया राष्ट्रीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व विकसित करने जा रही है, जो संकट के समय देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थमने नहीं देगा।

अधिक अल्कोहलयुक्त दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे की होगी अनिवार्यता : सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिक मात्रा में एथिल अल्कोहल (इथेनॉल) युक्त औषधीय फॉर्मूलेशनों (दवाओं) के नियमन को सख्त कर दिया। सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य इन दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना और साथ ही वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है। मंत्रालय ने बताया कि इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित औषधीय फॉर्मूलेशन की टिंचर (अर्क) जैसी कई औषधीय तैयारियों को पहले अनुसूची-के के तहत लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं से छूट प्राप्त थी। हालांकि, इनमें से कुछ उत्पादों में 80 से 90 प्रतिशत तक एथाइल अल्कोहल होता है, जिससे इनके नशे के उद्देश्य से दुरुपयोग की आशंका रहती है। केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि कुछ राज्य सरकारों ने ऐसे उत्पादों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए इस संबंध में सुझाव और संदर्भ भेजे थे।

सेना प्रमुख ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद-रोधी ग्रिड की समीक्षा की, उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री से भी हुई मुलाकात

नई दिल्ली, (आरएनएस)। थलसेना प्रमुख बनने के बाद जनरल धीरज सेठ ने जम्मू कश्मीर में उत्तरी कमान का अपना पहला दौरा किया है। उन्होंने यहां कुपवाड़ा, उरी और मानसबल जैसे सीमावर्ती इलाकों में अग्रिम तैनाती का निरीक्षण किया। श्रीनगर में सुरक्षा परिदृश्य और अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। जम्मू क्षेत्र में एलओसी और आतंकवाद-रोधी ग्रिड का आकलन किया है। इसके साथ ही सेना प्रमुख ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की है। सेना प्रमुख का उत्तरी कमान का यह दौरा संपन्न हो चुका है। उन्होंने यहां एलओसी से लेकर कश्मीर घाटी तक सुरक्षा की पूरी तैयारियों का लिया जायजा। थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने 7 से 9 जुलाई तक का समय उत्तरी कमान में बिताया। थलसेना प्रमुख बनने के बाद यह उनका उत्तरी कमान का पहला दौरा था। इस दौरान उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सैन्य संरचनाओं, कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद-रोधी अभियानों, सैन्य तैयारियों तथा युद्धक क्षमता का व्यापक आकलन किया।

असामान्य जनसंख्या वृद्धि रोकने केंद्रीय मंत्री शाह का डेमोग्राफिक मिशन

आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली वृद्धि को रोका जाएगा

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 119 जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपीएस) की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, इसमें देश को घुसपैठ-मुक्त बनाने और सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की मोदी सरकार की नीति पर चर्चा की गई। इस मौके पर, केंद्रीय मंत्री शाह ने एक डेमोग्राफिक मिशन शुरू करने की घोषणा की। मिशन का मुख्य उद्देश्य असामान्य कारणों से होने वाली आबादी की बढ़ोतरी की पहचान करना और भविष्य में ऐसी वृद्धि को रोकने के लिए आवश्यक उपाय सुझाना है। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली वृद्धि को हर कीमत पर रोका जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की, मौजूदा चुनौतियों के समाधान तलाशे और प्रभावी नीतिगत उपायों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने स्मार्ट बॉर्डर के विज़न पर आधारित भारत के सीमा सुरक्षा सिस्टम को दुनिया का सबसे आधुनिक बनाने का संकल्प जाहिर किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने मजबूत चौतरफा सुरक्षा ग्रिड बनाने पर जोर दिया, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, राज्य व जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के अधिकारी और लोकल नागरिक एक साथ मिलकर काम करने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमाएं, समृद्ध सीमावर्ती इलाके और एक सतर्क समाज ही देश की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित कर सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने तटीय सीमा सुरक्षा को भी समग्र रूप से मजबूत करने की बात कही।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर को आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्ति दिलाने को सामूहिक सफलता बताया। उन्होंने नशीले पदार्थों की समस्या पर अगले तीन वर्षों में निर्णायक जीत हासिल करने का भी संकल्प दोहराया। इस मौके पर शाह ने पिछली सरकारों पर निशाना साधकर कहा कि पहले समस्याएं स्थायी रहती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब मोदी सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान दे रही है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार में सीमा पर बुनियादी ढाँचे में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस मौके पर केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंडी संजय कुमार, केंद्रीय गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तथा सीमावर्ती राज्यों के पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ममता को एक और बड़ा झटका? यूसुफ पठान ने शुभेंदु अधिकारी से की सीक्रेट मुलाकात; अटकलें तेज

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भूचाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) से बगावत कर अलग गुट बनाने वाले लोकसभा सांसद और पूर्व धाकड़ क्रिकेटर यूसुफ पठान की एक अचानक हुई 'सीक्रेट मीटिंग' ने सियासी गलियारों में भारी खलबली मचा दी है। पठान ने गुरुवार को नबान्न पहुंचकर राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से खास मुलाकात की। इस गुपचुप बैठक का एजेंडा क्या था, इसे लेकर दोनों ही पक्षों ने पूरी तरह से चुप्पी साधी हुई है। इस मुलाकात ने अटकलों के बाजार को इसलिए भी पूरी तरह से गर्म कर दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने हाल ही में राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है।यह कोई छिपी बात नहीं है कि यूसुफ पठान उन 20 बागी सांसदों की सूची में प्रमुखता से शामिल हैं, जिन्होंने बीते जून महीने में टीएमसी से नाता तोड़कर 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (NCPI) में विलय का ऐलान कर दिया था।

अब भारत में तैयार होगा इजरायल का अजेय 'आयरन डोम', राफेल कंपनी का बड़ा मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आसमान से बरसती मौत को हवा में ही खाक कर देने वाले इजरायल के अचूक हथियार 'आयरन डोम' को लेकर एक बेहद सनसनीखेज और बड़ी खबर सामने आई है। जल्द ही इस विश्व प्रसिद्ध एयर डिफेंस सिस्टम की मिसाइलें भारतीय जमीन पर आकार ले सकती हैं। इजरायल की दिग्गज रक्षा कंपनी राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स अब भारत में आयरन डोम इंटरसेप्टर मिसाइलों का उत्पादन शुरू करने की बड़ी योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी कई प्रमुख भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों के साथ अहम बातचीत के दौर में है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो इतिहास में पहली बार इजरायल और अमेरिका के बाहर इस अभेद्य सुरक्षा कवच का निर्माण भारत में होगा।

'मेक इन इंडिया' को मिलेगी नई उड़ान, दुनिया देखेगी ताकतयह कदम केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। भारत काफी समय से विदेशी हथियार निर्माता कंपनियों को अपने देश में स्थानीय उत्पादन और निर्यात के लिए आकर्षित कर रहा है। आयरन डोम की मैन्युफैक्चरिंग भारत में होने से न केवल देश की अपनी सैन्य ताकत और रक्षा उत्पादन क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा, बल्कि दुनिया भर की रक्षा सप्लाई चेन में भी भारत का दबदबा काफी बढ़ जाएगा। वर्तमान में इस इंटरसेप्टर मिसाइल का निर्माण केवल उत्तरी इजरायल और अमेरिका में रेथियॉन कंपनी के सहयोग से होता है, लेकिन अब भारत इस लिस्ट में तीसरा बड़ा नाम बनने जा रहा है।

आखिर राफेल कंपनी ने क्यों चुनी भारतीय सरजमीं पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और युद्ध के हालातों को देखते हुए पूरी दुनिया में अचूक एयर डिफेंस सिस्टम की मांग अचानक से आसमान छूने लगी है। ऐसे में भारत के अंदर नई प्रोडक्शन लाइन शुरू करने से इजरायली कंपनी राफेल को भी रणनीतिक रूप से बड़ा फायदा होगा। भारत में निर्माण होने से मिसाइलों की उत्पादन लागत काफी कम हो जाएगी, सप्लाई चेन मजबूत होगी और वैश्विक मांग को जल्द से जल्द पूरा करना आसान होगा।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर बड़ा संकेत, पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया मॉडल की तारीफ की

दिल्ली ,,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अब भारत में भी इस पर गंभीर बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के इस कड़े कदम को दुनिया के लिए एक बड़ी सीख और प्रेरणा बताया है। मेलबर्न में आयोजित भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में पीएम मोदी ने साफ किया कि बच्चों को ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने के ऑस्ट्रेलिया के इन प्रयासों से भारत भी काफी कुछ सीख रहा है।

पीएम मोदी ने की कड़े कानून की सराहना

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और सोशल मीडिया से जुड़े नियमों में ऑस्ट्रेलिया द्वारा किए जा रहे बदलाव समाज और आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा के लिहाज से बेहद अनुकरणीय हैं। पीएम के इस बयान के बाद यह कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या भारत भी भविष्य में अपने यहां बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया पर ऐसी ही कोई बड़ी पाबंदी लगाने की तैयारी कर रहा है।

धर्मांतरण मामले में एससी ने याचिककर्ता को दी बड़ी राहत, नोटिस जारी कर राज्य सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के हेमराज टेलर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले में अस्थायी रोक लगा दी है. हेमराज टेलर ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी. जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने हेमराज टेलर की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार से 6 हफ्तों में जवाब मांगा है. हेमराज टेलर पर आरोप है कि उन्होंने एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया था.सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आगे की आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी, जो हिंदू बताया जा रहा है और जिस पर मध्य प्रदेश में एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने का आरोप है।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उस व्यक्ति की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है. एमपी उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत FIR रद्द करने से मना कर दिया था।

हेमराज टेलर ने अपने खिलाफ राजगढ़ जिले के जीरापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज केस में राहत पाने के लिए एमपी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी. हाई कोर्ट से राहत नहीं मिल पाने के कारण हेमराज ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हेमराज की याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके वकील ने कोर्ट को बताया कि शिकायतकर्ता (महिला) के पति ने लगभग 8 साल पहले इस्लाम अपना लिया था. उसके इतने साल बाद स्न्ढ्ढक्र दर्ज की गई है. पीठ को यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता और उसका परिवार हिंदू धर्म को मानता है।

बेटी ने रची मां की मौत की साजिश! पहली कोशिश नाकाम, फिर 130 की रफ्तार से स्कॉर्पियो चढ़ाकर की हत्या का आरोप

जयपुर,(आरएनएस)। जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट की कर्मचारी नीरज शर्मा की मौत के मामले में पुलिस जांच के दौरान लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जिस घटना को शुरुआत में सड़क हादसा माना जा रहा था, उसे अब पुलिस पूर्व नियोजित हत्या की साजिश मानकर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि नीरज शर्मा की हत्या की कोशिश एक बार नहीं, बल्कि दो बार की गई थी। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद आरोपियों ने रणनीति बदलकर दूसरी बार कथित रूप से सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को हुई घटना से पहले आरोपियों ने नीरज शर्मा को उनके घर के बाहर किराए की महिंद्रा थार से कुचलने की योजना बनाई थी। हालांकि, उस दिन वह बच गईं। इस घटना के बाद नीरज को अपने पीछे किसी के लगे होने का संदेह हुआ और उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर घर के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए।जांच में सामने आया है कि घर के बाहर कैमरे लगने के बाद आरोपियों ने घटनास्थल बदलने का फैसला किया। कथित साजिशकर्ताओं ने ऐसी जगह हमला करने की योजना बनाई, जहां वारदात को सड़क हादसा साबित करना आसान हो और किसी को शक न हो।

बेटी के फोन के बाद बदला रास्ता

पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन नीरज शर्मा अपने 16 वर्षीय दिव्यांग बेटे को कोचिंग छोड़कर लौट रही थीं। इसी दौरान उनकी बेटी आयुषी शर्मा ने उन्हें फोन कर किसी जरूरी काम का हवाला देते हुए घर वापस बुलाया। जांच एजेंसियों का आरोप है कि जैसे ही नीरज ने अपना रास्ता बदला, पहले से निगरानी कर रहे लोगों ने स्कॉर्पियो सवार हमलावरों को संकेत दे दिया।

130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मारी टक्कर

पुलिस जांच के अनुसार, स्कॉर्पियो करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पीछे से आई और नीरज शर्मा की स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह करीब 100 फीट दूर जा गिरीं। शुरुआती दौर में इस घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई।

अनुकंपा नौकरी और 5 बीघा जमीन बना कथित साजिश का कारण

पुलिस के अनुसार, परिवार में विवाद की शुरुआत नीरज शर्मा के पति विजय कुमार शर्मा की मृत्यु के बाद हुई। विजय कुमार राजस्थान हाईकोर्ट में एलडीसी थे। परिवार ने दिव्यांग बेटे के भविष्य को देखते हुए अनुकंपा नियुक्ति नीरज शर्मा को दिलाने का निर्णय लिया था। जांच में सामने आया कि बेटी आयुषी इस फैसले से नाराज थी और बाद में अपने चाचा मोहन स्वरूप के घर रहने लगी।

पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान मोहन स्वरूप और उसके फरार बेटे बलराम ने आयुषी को अपने पक्ष में कर लिया। जांच में यह भी सामने आया है कि आयुषी ने आगरा हाईवे पर स्थित करीब 5 बीघा पैतृक जमीन में हिस्सा अपने चाचा और चचेरे भाई के नाम करने का कथित वादा किया था। पुलिस का मानना है कि संपत्ति और अनुकंपा नौकरी का विवाद ही इस कथित साजिश की मुख्य वजह बना।

मटन की जगह 'चिकन' परोसते ही बवालः शादी का मंडप बना रणक्षेत्र, जमकर चले लाठी-डडे

सहरसा (आरएनएस)। बिहार के सहरसा जिले में एक निकाह समारोह उस समय हिंसा में बदल गया, जब बारातियों को कथित तौर पर वादा किए गए मटन (खस्सी का मीट) की जगह चिकन परोस दिया गया। मामूली विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि शादी का मंडप अखाड़े में तब्दील हो गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। घटना में कई लोग घायल हो गए।

यह मामला महिषी प्रखंड के राजनपुर गांव का है, जहां सिमरी बख्तियारपुर से बारात पहुंची थी। निकाह की रस्में शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद बाराती भोजन करने बैठे। इसी दौरान कुछ लोगों ने मटन के बजाय चिकन परोसे जाने पर आपत्ति जताई। आरोप है कि इस बात को लेकर पहले कहासुनी हुई और फिर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया।

मारपीट में दूल्हा पक्ष के मो. आशिक, मो. इरफान, मो. हसन, मो. अब्बास, मो. जब्बार, मो. आतिफ और मो. महबूब सहित कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, सिमरी बख्तियारपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घायल बारातियों का आरोप है कि भोजन को लेकर शिकायत करने पर लड़की पक्ष के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद शादी की खुशियां तनाव में बदल गईं और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कलयुगी मां-बाप ने मासूमों को गर्म लोहे और सिगरेट से दागा, तोड़ दी हड्डी; वजह जान दंग रह जाएंगे आप

सूर्यापेट,(आरएनएस)। खून के रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा कांप उठेगा। जिन हाथों का काम बच्चों की हिफाजत करना और उन्हें दुलारना होता है, उन्हीं हाथों ने दो मासूमों की जिंदगी नर्क बना दी। तेलंगाना के हुजूरनगर में एक निर्दयी दंपति ने अपनी निजी जिंदगी और 'आजादी' में रुकावट मानने पर अपने ही दो छोटे-छोटे बच्चों को ऐसी भयानक यातनाएं दीं, जो कोई दुश्मनों को भी न दे। घर की चारदीवारी के अंदर इन मासूमों को गर्म लोहे की रॉड, करछुल और सिगरेट से जलाकर अपना गुस्सा उतारा गया।

पड़ोसियों की सतर्कता से बची मासूमों की जान

इस बर्बरता का पर्दाफाश तब हुआ जब बच्चों के दर्द से चीखने-चिल्लाने की आवाजें लगातार पड़ोसियों तक पहुंचने लगीं। 43 वर्षीय ट्रक ड्राइवर नकिरीकांती रवि और उसकी पत्नी इंदु बंद दरवाजे के पीछे अपने पांच और दो साल के बच्चों पर बेतहाशा जुल्म ढा रहे थे। जब लोगों ने किसी तरह बच्चों को देखा तो उनकी रूह कांप गई। बच्चों के शरीर पर जलने और गहरे घाव के कई निशान थे, जबकि छोटे बच्चे की कलाई की हड्डी तक टूटी हुई थी। पड़ोसियों ने बिना कोई देरी किए तुरंत पुलिस को इस पूरी हैवानियत की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस, आईसीडीएस और चाइल्डलाइन की टीम मौके पर पहुंची और फौरन बच्चों को रेस्क्यू कर मेडिकल मदद के लिए अस्पताल पहुंचाया।

राम नगरी अयोध्या से योगी का विपक्ष पर हमला, बोले- हमारी सरकार विकास और आस्था दोनों को बढ़ा रही

अयोध्या ,,(आरएनएस)। राम नगरी के मंदिरों से चढ़ावा चोरी की घटना के बाद पंद्रह दिन में दूसरी बार अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोकदल के नेता स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान की भव्य मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। अयोध्या की बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल में मुख्यमंत्री ने 432 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भाजपा और पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल के बीच के अंतर को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया।

डबल इंजन सरकार के संकल्प और विपक्ष पर प्रहार मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा कि जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आई, तभी भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो सका। विकास का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे और जनकल्याणकारी नीतियां हर परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं, यही सरकार का मुख्य संकल्प है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यहां ऐसी भी सरकारें रहीं जो रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थीं। समाजवादी पार्टी पर सीधा आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सपा ने हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का पाप किया था, जबकि हमारी सरकार ने अयोध्या को देश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। आज अयोध्या की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है और यह तीनों लोकों से न्यारी बन गई है।

भदरसा का नाम बदलकर अब हुआ भरतनगर भरतकुंड क्षेत्र के विकास और सांस्कृतिक पहचान को नया आयाम देते हुए मुख्यमंत्री ने एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि भदरसा का चेयरमैन गुस्ताखी कर रहा था, इसलिए अब अयोध्या के भदरसा क्षेत्र को भरतनगर भरतकुंड के नाम से जाना जाएगा। भदरसा नगर पंचायत की नई पहचान अब इसी पवित्र नाम से होगी

पति जेवियर बार्डम के साथ अपने रिश्तों में अभी भी सीख रही हूं

- हॉलीवुड अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने शादी के 15 साल के रिश्ते किए साझा

लॉस एंजिल्स,(ए.)। हॉलीवुड अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने पति के साथ अपने रिश्ते साझा करते हुए कहा कि पति जेवियर बार्डम के साथ उनका रिश्ता सीखने का एक अनुभव रहा है। एक मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने कहा कि शादी के 15 साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी वह अपने पति जेवियर बार्डम के साथ अपने रिश्ते में अभी भी सीख रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 52 साल की अभिनेत्री ने अपनी नई फिल्म द इनवाइट के प्रमोशन में अपने रिश्ते के बारे में बात की। उनका मानना है कि ओलिविया वाइल्ड के डायरेक्शन में बनी कॉमेडी फिल्म एक डिनर पार्टी में दो जोड़ों के रिश्तों पर आधारित है। उनका कहना है कि लोगों को ऐसी कहानियां इसलिए इतनी पसंद है, क्योंकि बहुत से लोग अपने पार्टनर के बारे में नई-नई बातें पता करते रहते हैं, चाहे वे कितने भी समय से साथ क्यों न हों।

40 साल बाद भारत के कोई पीएम न्यूजीलैंड पहुंचे; प्रधानमंत्री मोदी का दौरा क्यों अहम, क्या उम्मीदें?

वेलिंगटन(ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड के दौरे पर हैं। करीब चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली आधिकारिक न्यूजीलैंड यात्रा है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच ऑकलैंड में द्विपक्षीय वार्ता होगी। दोनों नेता व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा करेंगे।

ऐसे में आइए जानते हैं कि इस देश में ऐसा क्या खास है? भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते कितने पुराने हैं? न्यूजीलैंड के लिए भारत क्यों महत्वपूर्ण होता जा रहा है? दोनों देशों के बीच किन क्षेत्रों में सहयोग है? व्यापारिक रिश्ते कैसे बढ़े? व्यापार के आंकड़े क्या बताते हैं? पहले किन नेताओं ने दौरा किया? पीएम मोदी का यह दौरा क्यों अहम माना जा रहा है?

क्यों खास है न्यूजीलैंड?

न्यूजीलैंड दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, जो ऑस्ट्रेलिया से करीब 1,600 किलोमीटर दूर है।

वर्ल्डओमीटर के अनुसार, यहां की आबादी लगभग 52.9 लाख (5,291,072) है।

यह दुनिया के सबसे विकसित देशों में शामिल है और बेहतर जीवन स्तर, पारदर्शी शासन, मानव विकास व नागरिक स्वतंत्रता के लिए जाना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, 2026 में

न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था (GDP) लगभग 278.64 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जबकि आर्थिक वृद्धि दर 2.1त्न रहने की उम्मीद है।

भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते कितने पुराने हैं?

भारत और न्यूजीलैंड के संबंध लंबे समय से दोस्ताना रहे हैं। दोनों देश कभी ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा रहे हैं। दोनों कॉमनवेल्थ के सदस्य हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था, कॉमन लॉ, अंग्रेजी भाषा, खेलों और लोगों के बीच मजबूत संबंध जैसी कई समानताएं साझा करते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच राजनयिक संबंध 1952 में स्थापित हुए। हालांकि 1950 में ही दोनों देशों के बीच ट्रेड कमीशन की शुरुआत हो चुकी थी, जिसे बाद में हाई कमीशन का दर्जा दिया गया। समय के साथ दोनों देशों ने राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को लगातार आगे बढ़ाया है।

न्यूजीलैंड के लिए भारत क्यों महत्वपूर्ण होता जा रहा है?

न्यूजीलैंड भारत को तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक मानता है। भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव, मजबूत अर्थव्यवस्था और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती भूमिका न्यूजीलैंड के लिए भारत की अहमियत लगातार बढ़ा रही है।

इसी वजह से न्यूजीलैंड ने 2011 में 'भारत के लिए नए अवसर खोलने की नीति' के तहत भारत को प्राथमिकता वाले देशों में शामिल किया। इसके बाद 'न्यूजीलैंड-इंडिया रणनीति' और 'भारत-न्यूजीलैंड 2025: रिश्तों में निवेश' जैसी रणनीतियों के माध्यम से दोनों देशों ने व्यापार, निवेश और आपसी सहयोग को और मजबूत करने का लक्ष्य तय किया।

दोनों देशों के बीच किन क्षेत्रों में सहयोग है?

दोनों देश व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, पर्यटन, कृषि, तकनीक, स्वास्थ्य, संस्कृति और खेल जैसे क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं।

दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन (WTO) और कॉमनवेल्थ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सदस्य हैं।

इसके अलावा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को लेकर भी दोनों देशों के साझा हित हैं।

संभल नहीं रहा देश तो भारत का नाम लेने लगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद,(ए.)। पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं, आर्थिक संकट और बढ़ते उग्रवाद से जूझ रहा है, ऐसे में पाकिस्तानी सेना के डीजी आईएसपीआर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी एक बार फिर अपनी नाकामियों का ठीकरा भारत पर फोड़ते नजर आए। अपनी फजीहत करवाने और सड़कछाप भाषा के लिए मशहूर इस जनरल ने अपनी सरकार और सेना की अक्षमता से ध्यान भटकाने के लिए भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए, जो पाकिस्तान में झूठ और छल की एक पुरानी आदत को दर्शाते हैं। देश में बार-बार सुरक्षा चूक, खुफिया विफलता और विद्रोह को रोकने में नाकामयाबी के कारण पाकिस्तानी सेना भारी दबाव में है, और ऐसे में भारत पर आरोप लगाना एक सुविधाजनक बहाना बन गया है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आटे, दाल और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों को लेकर जनता सड़कों पर है, बलूचिस्तान में बरसों के दमन से परेशान होकर बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना पर बड़े हमले शुरू कर दिए हैं, और खैबर पख्तूनख्वा तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों से दहल रहा है। इन गंभीर आंतरिक चुनौतियों के बावजूद, पाकिस्तानी नेतृत्व समाधान खोजने के बजाय भारत के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने में व्यस्त है। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने हालिया प्रेस ब्रीफिंग में पत्रकारों को संबोधित करते हुए दावा किया कि भारत पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों की फंडिंग कर रहा है। पाक सैन्य प्रवक्ता ने तो यहां तक कह दिया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने हाल ही में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान 54 भारत-समर्थित प्रॉक्सियों को मार गिराया है। उन्होंने तालिबानी हुकूमत पर भी आरोप लगाया कि वह भारत के साथ मिलकर पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा को अस्थिर करने की साजिश रच रही है।

हालांकि, हमेशा की तरह, पाकिस्तान इन गंभीर आरोपों के समर्थन में एक भी ठोस सबूत पेश करने में विफल रहा। यह केवल पाकिस्तान की हताशा और ध्यान भटकाने की उसकी पुरानी रणनीति का ही एक हिस्सा प्रतीत होता है। पाकिस्तानी जनरल की यह आदत दर्शाती है कि जब देश आंतरिक रूप से कमजोर होता है, तो दोषारोपण की राजनीति चरम पर पहुंच जाती है। हालिया सैन्य ब्रीफिंग में भी पाकिस्तानी जनरल का पूरा ध्यान भारत के खिलाफ आरोप लगाने पर केंद्रित रहा, जबकि इस बात की कोई जानकारी या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया कि उग्रवादी समूह आखिर पाकिस्तान के अंदर इतने सुनियोजित हमलों को अंजाम देने में कैसे सफल हो जाते हैं। यह स्थिति पाकिस्तान की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है, जहां जिम्मेदारियों से मुंह मोड़कर पड़ोसी देश पर आरोप लगाना एक आम चलन बन गया है, भले ही इसके लिए झूठ का सहारा क्यों न लेना पड़े।

इजरायल की रिपोर्ट में दावा : ट्रंप को एक झटके में ढेर कर देगा ईरान?

तेल अवीव,(ए.)। इजरायल ने अपनी खुफिया रिपोर्ट में दावा किया है कि ईरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। यह चौंकाने वाला दावा ऐसे समय में सामने आया है जब बीते कुछ दिनों से ईरान और अमेरिका के बीच टकराव एक बार फिर बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने ट्रंप की हत्या की नई ईरानी साजिश से संबंधित जानकारी साझा की है। यह घटनाक्रम तब आया है जब तीन सप्ताह पहले ही अमेरिका और ईरान के बीच एक अस्थायी युद्धविराम हुआ था, लेकिन अब इस रिपोर्ट के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने और टकराव की आशंकाएं और तेज हो गई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अभी तक कोई अंतिम डील भी नहीं हो पाई है।

यह ध्यान देने योग्य है कि 2020 में जब अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी मारे गए थे, तब भी ईरान ने कई सालों तक ट्रंप को हत्या की धमकी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक,

इजरायली खुफिया एजेंसियां लगातार ईरान के इरादों को समझने की कोशिश करती रहती हैं और कई बार इजरायल ने ईरान की साजिशों की रिपोर्ट अमेरिका को दी है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इजरायल की यह खुफिया रिपोर्ट डोनाल्ड ट्रंप के इरादों को भी बदल सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते के लिए पिछले एक महीने में काफी प्रयास किए हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट चेतावनी भी दी है कि अगर ईरान कोई गड़बड़ करता है तो बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया जाएगा। तुर्की यात्रा के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने खुद ही यह बात कही थी कि ईरान उन्हें खत्म करना चाहता है और उनका नाम ईरान की सारी लिस्ट में शामिल है, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हाल के दिनों में दोनों तरफ से हमले तेज हुए हैं, जिससे अस्थायी युद्धविराम खटाई में पड़ गया है। गुरुवार को अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने भी अमेरिका के सहयोगी पश्चिमी देशों में मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। बहरीन में कम से कम तीन बार सायरन बजे, जहां अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय है। कुवैत और कतर पर भी मिसाइलें दागी गईं। गुरुवार दोपहर जॉर्डन में भी सायरन बजे, जहां अमेरिका ने अपने सैनिक और विमान तैनात रखे हैं।

फीचर

पहली बार पर्दे पर दिखेगी ऋचा चड्ढा और अली फजल की जोड़ी

- नई फिल्म को लेकर दोनों ने जताई खुशी

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अभिनेता अली फजल इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में गिने जाते हैं। शादी के बाद अब दर्शकों को यह मौका पहली बार मिलने जा रहा है, जब दोनों पति-पत्नी एक ही फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। ऋचा और अली जल्द ही अभिनेता, लेखक और निर्देशक शाशी वर्मा की एक सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में साथ दिखाई देंगे, जिसकी पृष्ठभूमि दिल्ली होगी। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर दोनों कलाकार बेहद उत्साहित हैं और उनका कहना है कि यह उनके लिए बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव होने वाला है।

हाल ही में एक बातचीत के दौरान ऋचा चड्ढा ने इस फिल्म को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, फिल्म की कहानी ने मुझे शुरुआत से ही अपनी ओर आकर्षित किया। यह रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी परिस्थितियों से बड़े ही सहज तरीके से हास्य पैदा करती है। सबसे खास बात यह है कि हंसी के बीच फिल्म समाज के बारे में एक महत्वपूर्ण बात भी कहती है, जो इसे और भी सार्थक बनाती है। ऋचा ने आगे बताया, दिल्ली पर आधारित इस कहानी में वापसी करना मेरे लिए कई प्यारी यादें भी लेकर आया, क्योंकि मेरी शुरुआती स्कूली पढ़ाई वहीं हुई है। अली और मैं पहले भी फिल्मों में नजर आ चुके हैं, लेकिन पर्दे पर इस तरह के रिश्ते को हमने कभी नहीं निभाया। अली एक बहुत सहज कलाकार हैं और मैं इस नई ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं, अली फजल ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असली कॉमेडी वही होती है, जो वास्तविक लोगों और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से निकलकर आती है, न कि बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए या अवास्तविक किरदारों से। अली ने कहा, कॉमेडी सबसे अच्छी तब लगती है, जब वह वास्तविक लोगों और उनकी परिस्थितियों से जुड़ी हो। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि हर किरदार में अपनी कमियां, अलग-अलग आदतें और भावनात्मक सच्चाई है। यही बात इसके हास्य को और ज्यादा असरदार बनाती है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए आगे कहा, ऋचा के साथ ऐसी कहानी में काम करना, जिसमें हम पहली बार एक-दूसरे के अपोजिट हैं, मेरे लिए बेहद खास है। इतने सालों से हम एक-दूसरे को पेशेवर तौर पर जानते हैं, लेकिन इस तरह साथ काम करने का मौका हमें पहली बार मिला है। इसलिए यह अनुभव सचमुच रोमांचक है। निर्देशक शाशी वर्मा जिस तरह रोजमर्रा की जिंदगी को बारीकी से देखते हैं और उसे सिनेमा में उतारते हैं, वह मुझे हमेशा पसंद आया है। उनके साथ काम करने का मौका मिला तो मैंने तुरंत हामी भर दी।

शिल्पा मंजूनाथ का फिटनेस को लेकर बदला नजरिया

- साझा किया नया वर्कआउट वीडियो और विचार

मुंबई (ए.)। तमिल और कन्नड़ सिनेमा में अपनी प्रभावशाली परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ ने हाल ही में खुलासा किया है कि फिटनेस को लेकर उनका नजरिया पूरी तरह से बदल गया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वर्कआउट करते हुए एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया और इसके साथ अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने लिखा, हाल ही में फिटनेस को लेकर मेरा नजरिया बदला है। एक समय था जब मैं हफ्ते के सातों दिन जिम जाती थी, एक निश्चित रूटीन का पालन करती थी। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहती हूं, मजे करना चाहती हूं और फिट रहते हुए इस सफर का आनंद लेना चाहती हूं। यह बदलाव उनके लिए एक व्यक्तिगत विकास को दर्शाता है, जहाँ अब फिटनेस केवल शारीरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से बढ़कर एक समग्र अनुभव बन गया है।

शिल्पा ने आगे बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब अब सिर्फ वजन उठाना या वजन मशीन पर कोई नंबर देखना नहीं है। इसका मतलब है अपने शरीर को अलग-अलग तरीकों से मूव करना, नई चीजें आजमाना और एक्टिव रहने में खुशी ढूंढना है। शिल्पा का यह

नया दृष्टिकोण शारीरिक गतिविधियों को अधिक आनंददायक और टिकाऊ बनाने पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके बावजूद वेट ट्रेनिंग और योग अभी भी उनकी फिटनेस की नींव हैं। वे उन्हें मजबूत, जमीन से जुड़ा और संतुलित रखते हैं, जबकि वह बाकी चीजें भी एक्सप्लोर करती रहती हैं। वह मानती हैं कि फिटनेस को व्यक्ति की जरूरतों और जीवनशैली के साथ बदलना चाहिए, और अभी उन्हें यह रूप सबसे ज्यादा खुशी देने वाला लगता है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपनी फिटनेस यात्रा का आनंद लेना चाहिए और अपने शरीर को सुनना चाहिए।

सिर्फ एक हफ्ते पहले, एक्ट्रेस ने अपनी ट्रेनर का शुक्रिया अदा करते हुए एक पोस्ट किया था, जिन्होंने उन्हें हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया था। उस पोस्ट में शिल्पा ने कहा था, मजबूत रहो। व्यस्त रहो।

मजबूत महिलाएं सिर्फ शरीर नहीं बनातीं, वे अनुशासन, आत्मविश्वास और मुश्किलों से उबरने की क्षमता भी बनाती हैं। मेरी ट्रेनर का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया। यह दिखाता है कि उनका फिटनेस के प्रति यह बदला हुआ नजरिया एक सतत प्रक्रिया का परिणाम है, जिसमें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की मजबूती शामिल है।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म आई, नोबडी का टीजर जारी

- दमदार एक्शन और गहरे सस्पेंस की झलक

मुंबई (ए.)। अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म आई, नोबडी का रिलीज टीजर जारी कर दिया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। फिल्म का टीजर एक्शन, सस्पेंस और दमदार संवादों से भरपूर है, जो एक गहन और रोमांचक कहानी का वादा करता है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का रिलीज टीजर साझा करते हुए लिखा, जो आने वाला है, उसके लिए कोई तैयार नहीं है। रिलीज टीजर अब आउट हो चुका है। अपने टिकट अभी बुक करें। 9 जुलाई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में। यह संदेश फिल्म के प्रति उनके आत्मविश्वास और दर्शकों को एक अविस्मरणीय अनुभव देने के उनके इरादे को दर्शाता है।

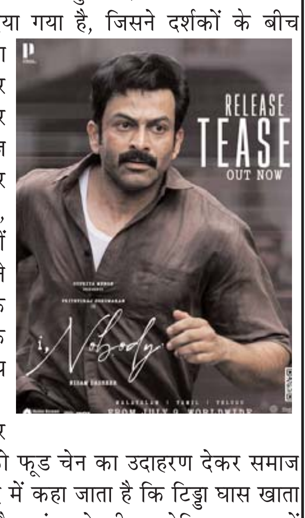

टीजर की शुरुआत एक गहन वॉयसओवर से होती है, जिसमें राजीवन नाम के किरदार को फूड चेन का उदाहरण देकर समाज की कठोर वास्तविकता समझाई जाती है। संवाद में कहा जाता है कि टिड्डा घास खाता है, उसे मेंढक खा जाता है, मेंढक को सांप और सांप को चील। लेकिन समाज में जीवित रहने के लिए सिर्फ घास खाना काफी नहीं है, बल्कि टिड्डे को मेंढक को भी खाना सीखना होगा। आखिर में वॉयसओवर में कहा जाता है कि यह फैसला आपको करना होगा कि आपको किसका सिर निगलना है, जो फिल्म के गहरे और नैतिक द्वंद्व वाले प्लॉट की ओर इशारा करता है। इस विचारोत्तेजक वॉयसओवर के साथ फिल्म के कई तेज-तर्रार एक्शन दृश्य दिखाए गए हैं, जो पृथ्वीराज सुकुमारन को एक दमदार अवतार में प्रस्तुत करते हैं।

अनुपम खेर ने अयोध्या में रामलला का आशीर्वाद लिया

- श्री राम भूमि की शूटिंग शुरू; गबन मामले पर दी प्रतिक्रिया

मुंबई (ए.)। जाने-माने अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आगामी फिल्म श्री राम भूमि की शूटिंग शुरू करने से पहले अयोध्या पहुंचकर श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। उन्होंने रामलला और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया और इसके तुरंत बाद अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना की शूटिंग का शुभारंभ किया। अभिनेता अनुपम खेर ने मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए बताया कि फिल्म श्री राम भूमि राम मंदिर के निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा, उससे जुड़े अनगिनत संघर्षों और उन कठिन परिस्थितियों को दर्शाएगी, जिनका सामना मंदिर निर्माण के दौरान करना पड़ा। यह फिल्म उन अथक प्रयासों और चुनौतियों को सामने लाने की कोशिश करेगी, जिनके बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हो पाया। खेर ने इस बात पर जोर दिया कि यह केवल एक इमारत नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, धैर्य और बलिदान का प्रतीक है। अनुपम खेर ने राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित गबन मामले पर भी अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी भी गलत घटना के लिए मंदिर, आस्था या धर्म को जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता। उन्होंने एक साधारण लेकिन प्रभावी उदाहरण देते हुए समझाया कि यदि किसी घर में चोरी होती है, तो दोष घर का नहीं होता, बल्कि चोरी करने वाले व्यक्ति का होता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जो घटना हुई वह निश्चित रूप से गलत थी और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। खेर ने कहा कि कुछ मुट्ठी भर लोगों की गलत हरकतों से मंदिर की पवित्रता और करोड़ों लोगों की अगाध आस्था प्रभावित नहीं हो सकती। उनके अनुसार, राम मंदिर के निर्माण के पीछे सैकड़ों वर्षों का संघर्ष, पीढ़ियों की आशाएं और लोगों की गहरी भावनाएं जुड़ी हुई हैं, जिन्हें ऐसी घटनाओं से कमजोर नहीं किया जा सकता।

चित्रा के. सोमन की प्रेरणादायक कहानी, मेहनत के दम पर कॉमनवेल्थ में सिल्वर और ग्रांड प्रिक्स में रचा इतिहास

नई दिल्ली (आरएनएस)। कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया।चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4 400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4 400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इंग्लैंड में फिर चमकने को तैयार रोहित शर्मा, खास रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे हिटमैन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय टीम के हीटमैन बल्लेबाज रोहित शर्मा पहुंच चुके है इंग्लैड और इंग्लैड पुहंचते ही वनडे सीरिज की तैयारियां शुरु कर दी है। टी20 से सन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 में खेलना है, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाना है। वर्ल्ड कप से पहले हिटमैन रोहित शर्मा के लिए हर सीरीज खुद को साबित करने का बड़ा मौका है।रोहित शर्मा के लिए पिछले कुछ समय से फिटनेस एक बड़ी चिंता बनी हुई है। आईपीएल 2026 में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण उन्हें पांच मुकाबलों से बाहर रहना पड़ा था, जिसके बाद उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठने लगे। टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक यह स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है कि वर्ल्ड कप के लिए रोहित की जगह पूरी तरह सुरक्षित है। ऐसे में हिटमैन इंग्लैंड दौरे की चुनौती के लिए पहले ही लंदन पहुंच चुके हैं, जहां वह अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित करने की कोशिश करेंगे।

रोहित शर्मा पहुंचे लंदन, शुरू की तैयारी

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले रोहित शर्मा लंदन पहुंच गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने वहां की परिस्थितियों में ढलने के लिए स्थानीय क्लबों के मैदानों पर नेट्स में बल्लेबाजी शुरू कर दी है। रोहित आईपीएल के बल्लेबाजी के अनुकूल विकेटों से अलग इंग्लैंड की तेज और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। वहीं, टी20 सीरीज खेल रही भारतीय टीम अब तक इंग्लैंड के हालातों में पूरी तरह सामंजस्य नहीं बैठा सकी है।भारतीय टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से चिंता का विषय बनी हुई है। आईपीएल में सपाट पिचों पर शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संघर्ष करते नजर आए हैं। ऐसे में हिटमैन रोहित शर्मा ने बेहतर तैयारी और मजबूत वापसी के इरादे से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही लंदन पहुंचकर अभ्यास शुरू कर दिया है।

इंग्लैंड में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

इंग्लैंड की परिस्थितियां रोहित शर्मा को हमेशा रास आई हैं। उन्होंने वहां 27 वनडे मुकाबलों में 64.9 की शानदार औसत से 1,428 रन बनाए हैं, जो किसी भी विदेशी बल्लेबाज का इंग्लैंड में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। अब रोहित 14 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में नजर आएंगे। वह अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीम को मजबूत शुरुआत देना चाहेंगे, बल्कि अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का भी जवाब देना चाहेंगे।

सौरव गांगुली की उपलब्धि पर सचिन तेंदुलकर ने दी शुभकामनाएं, 'दादा' ने कहा धन्यवाद

नई दिल्ली ,(ए.) । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को उनके 54वें जन्मदिन पर आईसीसी ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया। इस खास सम्मान के लिए सचिन तेंदुलकर ने गांगुली को बधाई दी है।

सौरव गांगुली भारत की ओर से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले 12वें क्रिकेटर हैं। सचिन ने गांगुली को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 14 साल की उम्र से एक-दूसरे को जानने के बाद अब ज्यादा सरप्राइज नहीं बचे हैं। यह भी उनमें से एक नहीं था। सौरव गांगुली आपको बधाई हो। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में आपके शामिल होने से बेहद खुश हूं।

सचिन के एक्स पोस्ट के जवाब में भारत के पूर्व कप्तान ने आभार जताया। गांगुली ने लिखा, धन्यवाद चैंपियन। आपके साथ एक ही लिस्ट में होना ही सबसे बड़ी कार्य संतुष्टि है।

बुधवार को सौरव गांगुली ने खुद को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की जानकारी देते हुए जय शाह का धन्यवाद किया था। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, आईसीसी और अध्यक्ष जय शाह को मुझे हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए धन्यवाद। यह बहुत बड़ा सम्मान है। हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले 10 भारतीयों में से एक। कुछ बेहतरीन नामों के बीच होना कमाल है। माना जा रहा है कि इंटरनेशल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) 11 जुलाई को होने वाली अपनी सालाना बैठक में गांगुली को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा कर सकता है।

सौरव गांगुली से पहले भारत के 11 क्रिकेटर्स को यह खास सम्मान मिल चुका है। इन 11 नामों में दो महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस लिस्ट में बिशन सिंह बेदी (2009), सुनील गावस्कर (2009), कपिल देव (2010), अनिल कुंबले (2015), राहुल द्रविड़ (2018), सचिन तेंदुलकर (2019), वीनू मांकड़ (2021), डायना एडुल्जी (2023), वीरेंद्र सहवाग (2023), नीतू डेविड (2024) और एमएस धोनी (2025) शामिल हैं।

वर्ल्ड कप के लिए तैयार टीम इंडिया, हर्ष मेहता बने भारतीय पिकलबॉल टीम के कप्तान

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 6 सितंबर तक वियतनाम के दा नांग शहर में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन कड़े ट्रायल और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद किया गया है। यह टीम प्रोफेशनल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। इस बार टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हर्ष मेहता को सौंपी गई है। हर्ष लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय पिकलबॉल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उनके अनुभव से टीम को काफी उम्मीदें हैं। हर्ष के साथ युवा खिलाड़ी अर्जुन सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। अर्जुन अंडर-18 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और उसी वर्ग की टीम की कप्तानी भी संभालेंगे। पुरुष टीम में हर्ष मेहता, अर्जुन सिंह, अनीश फ्रोलियन और अमन पटेल को जगह मिली है। वहीं, महिला टीम में मिहिका यादव, आलिया इब्राहिम, पर्ल अमलसदीवाला और नाओमी अमलसदीवाला को शामिल किया गया है। टीम के कप्तान हर्ष मेहता ने चयन के बाद खुशी जताते हुए कहा कि प्रतिभा मैच जिताती है, लेकिन एकजुट टीम ही चैंपियन बनाती है। उन्होंने कहा कि पूरी टीम अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है और उन्हें उम्मीद है कि भारत इस बार वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कप्तानी मिलने पर भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन का आभार भी जताया। महिला टीम की खिलाड़ी पर्ल और नाओमी अमलसदीवाला ने पिछले एक साल में घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों ने महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में कई टूर्नामेंटों में पदक जीते हैं। नाओमी अमलसदीवाला और अर्जुन सिंह की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में भारत की सबसे मजबूत जोड़ियों में मानी जा रही है। हाल के समय में इस जोड़ी ने विश्व रैंकिंग की शीर्ष टीमों को हराकर अपनी क्षमता साबित की है।

इंग्लैंड में फिर चमकने को तैयार रोहित शर्मा, खास रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे हिटमैन

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय टीम के हीटमैन बल्लेबाज रोहित शर्मा पहुंच चुके है इंग्लैड और इंग्लैड पुहंचते ही वनडे सीरिज की तैयारियां शुरु कर दी है। टी20 से सन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 में खेलना है, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाना है। वर्ल्ड कप से पहले हिटमैन रोहित शर्मा के लिए हर सीरीज खुद को साबित करने का बड़ा मौका है।रोहित शर्मा के लिए पिछले कुछ समय से फिटनेस एक बड़ी चिंता बनी हुई है। आईपीएल 2026 में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण उन्हें पांच मुकाबलों से बाहर रहना पड़ा था, जिसके बाद उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठने लगे। टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक यह स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है कि वर्ल्ड कप के लिए रोहित की जगह पूरी तरह सुरक्षित है।

फीफा विश्व कप से पहले मोरक्को को बड़ा झटका, सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से बाहर

नई दिल्ली (ए.) । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं।मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा।मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है। मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ समाचार

डेंगूनाला में 2 साल के मासूम का शव मिलने से पसरा मातम

कोरबा, (आरएनएस)। बालको थाना क्षेत्र के डेंगूनाला पुल के नीचे नदी किनारे शुक्रवार सुबह दो वर्षीय मासूम केशव का शव मिलने से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई। गुरुवार से लापता बच्चे की तलाश में पूरी रात भटकते रहे माता-पिता को जब शव मिलने की सूचना मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मासूम की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

जानकारी के अनुसार, रामपुर बस्ती निवासी दिनेश कुमार अपनी पत्नी और बेटे केशव के साथ मजदूरी के लिए लालघाट गया था। डेंगूनाला पार करने के बाद परिवार कुछ देर एक पेड़ के नीचे रुका। इसी दौरान मां बच्चे को दूध पिलाते-पिलाते थकान के कारण सो गई, जबकि पिता आगे निकल गए थे। जब मां की नींद खुली तो केशव वहां नहीं था। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने डेंगूनाला पुल के नीचे नदी किनारे एक बच्चे का शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान केशव के रूप में की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मां के सो जाने के दौरान मासूम खेलते-खेलते नाले की ओर चला गया और पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही होगी।

लगातार वर्षा से महानदी परियोजना के जलाशयों में बढ़ा जलभराव

धमतरी, (आरएनएस)। महानदी परियोजना (एम.आर.पी. कॉम्प्लेक्स) अंतर्गत गंगरेल (रविशंकर सागर), मुरूमसिल्ली, दूधावा एवं सोंढूर जलाशयों में लगातार हो रही वर्षा के कारण जलस्तर और जलभराव में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा 9 जुलाई 2026 को जारी जलस्तर प्रतिवेदन के अनुसार चारों प्रमुख एवं मध्यम जलाशयों में जल आवक जारी है, जिससे सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रविशंकर सागर (गंगरेल) जलाशय का पूर्ण जलभराव स्तर (एफआरएल) 347.75 मीटर है। वर्तमान में जलाशय का जलस्तर 343.75 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय में लगभग 399.81 मिलियन घनमीटर (करीब 74.68 प्रतिशत) लाइव स्टोरेज उपलब्ध है। बीते 24 घंटे के दौरान जलाशय में लगातार आवक बनी रही, जिससे जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई।

मुरूमसिल्ली जलाशय का वर्तमान जलस्तर 423.21 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय में लगभग 206.66 मिलियन घनमीटर (72.74 प्रतिशत) लाइव स्टोरेज उपलब्ध है। लगातार वर्षा के चलते जलाशय में जल आवक बनी हुई है। दूधावा जलाशय का जलस्तर 1388.48 मीटर दर्ज किया गया है। यहां लगभग 137.98 मिलियन घनमीटर जल का संग्रह है तथा जलाशय में लगातार आवक जारी है। इसी प्रकार सोंढूर जलाशय का वर्तमान जलस्तर 468.30 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय में लगभग 137.89 मिलियन घनमीटर जल संग्रहित है और वर्षा के कारण इसमें भी निरंतर जल आवक हो रही है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महानदी परियोजना के सभी प्रमुख जलाशयों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मानसून की सक्रियता बनी रहने पर आने वाले दिनों में जलभराव में और वृद्धि की संभावना है। विभाग द्वारा जलाशयों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकता के अनुसार जल प्रबंधन संबंधी निर्णय लिए जाएंगे।

तेज रफ्तार नहीं, सुरक्षित सफर चुनें: पुलिस ने युवाओं से की सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की अपील

बलौदाबाजार, (आरएनएस)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और युवाओं को सुरक्षित वाहन चलाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने विशेष जनजागरूकता संदेश जारी किया है। पुलिस ने युवाओं से तेज रफ्तार और लापरवाही से बचने की अपील करते हुए कहा है कि कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी पूरी जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

पुलिस ने अपने संदेश में कहा है कि वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करें और अनावश्यक तेज रफ्तार से बचें। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने की अपील करते हुए कहा गया कि हेलमेट केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा कवच है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान: पुलिस ने लगाए 150 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जांजगीर-चांपा, (आरएनएस)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जांजगीर-चांपा पुलिस ने पुलिस लाइन परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के 150 पौधे लगाए गए और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार, एसडीओपी अकलतरा प्रदीप सोरी, नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर योगिताबाली खापर्डे, डीएसपी अजाक सतरूपा, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी सहित जिले के थाना और चौकी प्रभारी तथा बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

मड़वा विद्युत संयंत्र में मुख्य अभियंता के हाथों हुआ पालना घर का शुभारंभ

कोरबा-जांजगीर (आरएनएस)। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में संयंत्र परिसर में नए पालना घर का शुभारंभ मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया के हाथों किया गया। पालना घर के शुभारंभ के साथ ही विद्युत संयंत्र के महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने बच्चों के लालन-पालन एवं सुरक्षा को लेकर चिंता नहीं रहेगी। हर महिला कर्मचारी निश्चिंतता के साथ विद्युत कंपनी में अपने कार्यदायित्वों को पूरा कर सकेंगी।

पालना घर का समय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक रहेगा। यहां बच्चों को आराम करने, खेल सामाग्री, मनोरंजन के लिए टीवी व साउंड बॉक्स की सुविधा की उपलब्धता है। शुभारंभ समारोह के साथ ही पालना घर परिसर में मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकरा, आरएल ध्रुव, एन. लकरा और आरके. नायक द्वारा पौधरोपण किया गया।

सीसी सड़क की गुणवत्ता पर जन प्रतिनिधियों ने जाहिर की नाराजगी

कोरबा (आरएनएस)। जिला प्रशासन के आंखों के सामने 1 करोड़ से अधिक के सीसी सडक कागज पर मजबूत, जमीन पर खोखली बन रही है। पाली ब्लाक मुख्यालय से सटे ग्राम केराझरिया स्थित एफसीआई गोदाम के पास से छिंदपारा होते हुए नगर के मुख्यमार्ग को जोडने वाले 2 किलोमीटर की इस एप्रोच सडक में ठेकेदार और विभागीय मिलीभगत से सरकारी खजाने की खुली लूट हो रही है, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कार्य की आवश्यक जांच कर गुणवत्तापरख निर्माण की मांग की है।

बारिश के मध्य चल रहे इस काम मे मानक नही, सिर्फ मनमानी चल रही है। सीसी रोड में अनिवार्य 43 ग्रेड ओपीसी की जगह 33 ग्रेड पीसीसी नुवोको व श्री सीमेंट निर्माण में लगाया जा रहा है, इसकी स्ट्रेंथ ही आधी है। वैध रेत की जगह आसपास के नदी- नालों से चोरी की अवैध रेत ट्रैक्टरों से लाकर डाली जा रही है, इससे सडक के एक मानसून भी झेल पाने पर संशय है। नियम कहता है पहले 6 इंच मुरुम, इसके ऊपर रोलर, फिर कांक्रीट और इसके ऊपर वाइब्रेटर। लेकिन यहां सीधे कच्ची जमीन पर सडक रूपी कांक्रीट बिछाया जा रहा है, जिसकी कोई बुनियाद ही नही। दूसरी ओर 1 करोड़ से ऊपर के काम पर एक भी सूचना बोर्ड नही है, जनता को पता ही नही स्वीकृति कितनी, ठेकेदार कौन, निर्माण देखरेख का जिम्मा किसके भरोसे? वहीं ऐन बारिश में जल्दबाजी में निर्माण कराया जा रहा है, ताकि कोई झांकने न आ पाए और गड़बड़ी जारी रहे। आनन फानन में हो रहे इस निर्माण में सरकारी नियमों को ताक पर रखकर घटिया सामाग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है।

रायपुर में चोरी और मारपीट की घटनाओं से बढ़ी चिंता, अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सात मामले दर्ज

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर शहर में 9 जुलाई को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, घर में सेंधमारी और मारपीट की कई घटनाएं सामने आई हैं। गांधीनगर थाना क्षेत्र में अजरहांत कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़ी विजय कुमार की मारुति ईको कार (सीजी 04 एमसी 1572), जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है, अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। वहीं खम्हारडीह थाना क्षेत्र के चंडी नगर में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपये नकद समेत कुल 75 हजार रुपये की संपत्ति पार कर दी। इसके अलावा शहर के विभिन्न इलाकों में मारपीट और धमकी के चार मामले भी दर्ज किए गए हैं।

बलरामपुर जिला अस्पताल के पास जलभराव से मिली राहत, कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल हुई पानी निकासी

बलरामपुर,(आरएनएस)। बलरामपुर जिला अस्पताल के पास मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या को प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर दूर कर दिया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश के बाद नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर नाली की सफाई कर पानी की निकासी सुनिश्चित की, जिससे लोगों को राहत मिली।बलरामपुर जिला अस्पताल के समीप मुख्य सड़क पर नाली में अवरोध और अतिक्रमण के कारण जलभराव की स्थिति बन गई थी। इससे मरीजों, उनके परिजनों और राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विभिन्न माध्यमों से सूचना मिलने पर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश मिलते ही नगर पालिका परिषद बलरामपुर की टीम मौके पर पहुंची और नाली में जमा मलबा तथा अन्य अवरोध हटाए। इसके बाद जलभराव वाले स्थान से पानी की निकासी कर मार्ग को फिर से सुचारु किया गया। कार्रवाई के बाद लोगों को आवागमन में राहत मिली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को वर्षा ऋतु के दौरान नियमित रूप से नालियों का निरीक्षण करने, उनकी साफ-सफाई कराने और जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि नालियों में कचरा या मलबा न डालें और जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

(रायपुर) आदिम जाति विकास, कृषि एवं कृषक कल्याण, मछली पालन तथा पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए नगर पालिका परिषद रामानुजगंज के नवनियुक्त एल्डरमैनों की शपथ शपथ ग्रहण समारोह में।

करंट से घायल किसान मामले में प्रशासन हरकत में, ग्राम बड़बेली पहुंची जांच टीम

ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई, 25 लाख मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग उठाई

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम बड़बेली में करंट लगने से किसान सतीश मेवाड़ा के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में लगातार प्रकाशित समाचारों और ग्रामीणों की मांग का असर दिखाई दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर के आदेश के बाद विद्युत विभाग और विद्युत सुरक्षा विभाग की संयुक्त जांच टीम गांव पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू की। किसान एवं समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा के नेतृत्व में दर्जनों गांवों के किसानों और ग्रामीणों ने जांच अधिकारियों को गांव की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। ग्रामीणों ने गांव में जगह-जगह झूल रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन, एलटी लाइन, जर्जर एवं टेढ़े-मेढ़े विद्युत खंभे तथा खेतों और सडक़ों के ऊपर लटक रहे विद्युत तारों को मौके पर दिखाया। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से इन खतरनाक परिस्थितियों की शिकायत की जाती रही है, लेकिन विद्युत विभाग द्वारा समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने जांच अधिकारियों को बताया कि विगत वर्षों में भी गांव में करंट लगने की कई गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं। कई किसान घायल हुए, कुछ लोगों के हाथ तक कट चुके हैं तथा करंट लगने से ग्रामीणों की मौतें भी हुई हैं। इन सभी घटनाओं की जानकारी जांच दल को मौखिक एवं लिखित आवेदन के माध्यम से दी गई।जांच के दौरान ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए पंचनामा एवं बयान में उनकी कही गई सभी बातें पूरी तरह दर्ज नहीं की गईं। उनका कहना है कि उनके बयान अधूरे लिखे गए हैं और कई महत्वपूर्ण तथ्यों को शामिल नहीं किया गया। ग्रामीणों एवं किसानों ने मांग की कि करंट से गंभीर रूप से घायल किसान सतीश मेवाड़ा को 25 लाख रुपये का मुआवजा, संपूर्ण उपचार का खर्च तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही, विद्युत विभाग के दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाए तथा गांव में जर्जर विद्युत लाइन एवं खंभों को तत्काल बदलकर भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जाए।जांच के दौरान विद्युत सुरक्षा अधिकारी राहुल मिश्रा मौके पर उपस्थित रहे। उनके साथ खजूरिया कला विद्युत वितरण केंद्र के कनिष्ठ यंत्री, लाइन स्टाफ तथा बिजोरी क्षेत्र के संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और जनप्रतिनिधि भी मौके पर उपस्थित रहे।ग्रामीणों ने पत्रकारों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निष्पक्ष और जनहित में प्रकाशित समाचारों के कारण ही शासन-प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच टीम गांव पहुंची। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक पीड़ित किसान को न्याय, समुचित मुआवजा, संपूर्ण उपचार और सरकारी नौकरी नहीं मिल जाती तथा गांव की विद्युत व्यवस्था सुरक्षित नहीं बनाई जाती, तब तक किसानों का आंदोलन और जनहित की मांगें जारी रहेंगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन पर वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित

एनआईसी कक्ष से वीसी में शामिल हुए कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारी

सीहोर(निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर ाल्लागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव सहित संबंधित अधिकारी वीसी में शामिल हुये। वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिले के संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, कचरा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, स्वच्छता संबंधी कार्यों में गति लाने तथा न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की। वीसी के पश्चात कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों का राज्य शासन द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। वीसी में नगरीय निकायों एवं जिला पंचायत के अधिकारियों को ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, स्रोत पर कचरे के पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन एवं सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया।

जनगणना निदेशक ने किया फील्ड फंक्शनरीज के प्रशिक्षण का निरीक्षण

सीहोर(निप्र)। जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक संजीव श्रीवास्तव ने सीहोर के शासकीय कन्या महाविद्यालय में जनगणना 2027 के अंतर्गत फील्ड फंक्शनरीज को दिए जा रहे जिला जनगणना हस्तपुस्तिका प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, विषयवस्तु तथा जनगणना कार्य से संबंधित आधारभूत एवं तकनीकी जानकारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान अपर कलेक्टर बृजेश कुमार सक्सेना भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि जिले में कुल 19 जनगणना चार्ज हैं, जिनमें 10 ग्रामीण एवं 9 नगरीय चार्ज सम्मिलित हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 1,084 राजस्व ग्रामों के आंकड़ों के संकलन हेतु 255 फील्ड फंक्शनरीज तथा 9 नगरीय क्षेत्रों हेतु 9 फील्ड फंक्शनरीज नामित किए गए हैं। इस प्रकार जिले में कुल 264 फील्ड फंक्शनरीज इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए नियुक्त किए गए हैं।

बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

सीहोर(निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्रीमती पूनम तुमराम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। अभियान के अंतर्गत सीहोर संभाग के ग्राम सुलखेड़ी, रासलाखेड़ी, हिन्नौती, बिछिया, पड़ीयाला, एवं आष्टा संभाग अंतर्गत ग्राम बलाखेड़ा में शिविर लगाए गये और नागरिकों की बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण किया गया। अभियान के अंतर्गत 11 जुलाई को आष्टा संभाग अंतर्गत ग्राम कुण्डियानाथु, भीलखेड़ी, कल्यानपुरा, धनाना, गुराड़ियारूपचंद, पउखेड़ी, आष्टा शहर वार्ड नं. 12. छापर में शिविर लगाए जाएंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में 11 से 18 जुलाई तक आयोजित होंगी जनजागरुकता गतिविधियां

सीहोर(निप्र)। शासन के निर्देशानुसार विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में जिले में 11 जुलाई से 18 जुलाई तक विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना है। 11 जुलाई को जनजागरूकता रथ और रैली के साथ इस अभियान का शुभारंभ होगा। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि इस वर्ष अभियान की थीम "Healthy Timing & Spacing Between Pregnancies for Well-being of Mother & Child and to Prevent Unintended Pregnancies" निर्धारित की गई है। अभियान के दौरान विवाह के बाद उचित समय पर संतान, बच्चों के जन्म में उचित अंतर, प्रसव के बाद परिवार नियोजन सेवाओं के उपयोग, पुरुष सहभागिता तथा परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के संबंध में व्यापक जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

महाकुंभ कांवड यात्रा की तैयारियां शुरु, आगामी दिनों में होगी बैठक

जो व्यक्ति सच्चे मन से महादेव पर विश्वास करता है, भगवान शिव हर परिस्थिति में उसका साथ देते-अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा

सीहोर(निप्र)। संसार के लोगों पर किया गया विश्वास कभी भी टूट सकता है, लेकिन भगवान शिव पर किया गया भरोसा कभी नहीं टूटता। जो व्यक्ति सच्चे मन से महादेव पर विश्वास करता है, भगवान शिव हर परिस्थिति में उसका साथ देते हैं और उसके जीवन का कल्याण करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की ऑनलाइन शिव महापुराण कथा का सीधा प्रसारण देश-विदेश में श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक देख एवं सुन रहे हैं। कथा के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्रद्धालुओं को भगवान शिव पर अटूट विश्वास रखने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में यदि व्यक्ति भगवान शिव की शरण में रहे और उन पर पूर्ण विश्वास रखे, तो उसे धैर्य, आत्मबल और सही मार्गदर्शन प्राप्त होता है। भगवान शिव अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते। पंडित श्री मिश्रा ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि अपने घरों में टेलीविजन, मोबाइल, इंटरनेट एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन शिव महापुराण कथा का श्रवण करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और भाव के साथ घर बैठे कथा सुनने से भी आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।

11 किलोमीटर की भव्य कांवड़ यात्रा

जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम में आयोजित होने वाली विशाल कांवड़ यात्रा की रूपरेखा तैयार कर ली गई है, जिसमें पूरे सावन के दौरान शिवभक्तों के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आगामी दिनों में इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रशासन, विठलेश सेवा समिति, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा क्षेत्रवासियों की बैठक का आयोजन किया जाना है। कांवड़ यात्रा आगामी 30 जुलाई से शहर के सीवन नदी के तट से आरंभ हो जाएगी और पूरे सावन मास में निरंतर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पैदल 11 किलोमीटर का सफर तय कर धाम पर पहुंचकर विशेष पूजा अर्चना करेंगे। इस वर्ष तीन अगस्त प्रथम सोमवार को समिति, 10 अगस्त को मध्यप्रदेश इंफ्लुएंसर द्वारा कांवड यात्रा, 17 अगस्त को कथा वाचक पंडित राघव मिश्रा के सानिध्य में और 25 अगस्त को भव्य कांवड यात्रा का आयोजन किया जाएगा। हर सोमवार को भव्य रूप से कांवड यात्रा का आयोजन के विशेष इंतजाम किए जा रहे है।धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का मुख्य केन्द्र होने के कारण नियमित रुप से हजारों की संख्या में श्रद्धालु धाम पर आते है। इनके निशुल्क भोजन-प्रसादी, पेयजल और शौचालय आदि की व्यवस्था विठलेश सेवा समिति के द्वारा की जा रही है। मंदिर परिसर में शुक्रवार को भी करीब 30 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। जिनके भोजन प्रसादी की व्यवस्था पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य ने की। मावे की तीन क्विंटल बर्फी का भोग लगाकर भोजन-प्रसादी का वितरण किया गया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए-अध्यक्ष मंजु अग्रवाल

सीहोर (निप्र)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती संतोष सोडानी, प्रदेश सचिव संगीता भूतड़ा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमारी माहेश्वरी सहित अन्य महिलाओं ने सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती मंजु अग्रवाल को शपथ दिलाई।अपने शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष श्रीमती मंजु शैलेष अग्रवाल ने गहाकि महिलाओं को अपने जीवन और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आत्मविश्वास के साथ आगे आने की प्रेरणा दी जाती है। सकारात्मक सोच और एकजुटता ही समाज की प्रगति, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखने की कुंजी है। सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने पर बल दिया जाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती सोड़ानी ने कहाकि संस्कार ही धरोहर है, एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। भारतीय कुटुंब व्यवस्था हमारी सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक संरचना का आधार है। यह केवल परिवारों का समूह नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और मूल्यों का संगम है। इसमें सभी सदस्य आपसी सहयोग, सम्मान और प्रेम से जुड़े होते हैं। बुजुर्गों का अनुभव और आशीर्वाद, युवाओं की ऊर्जा और बच्चों की मासूमियत मिलकर एक आदर्श परिवार का निर्माण करते हैं।

भारत विकास परिषद, सीहोर शाखा द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

सीहोर (निप्र)। भारत विकास परिषद, सीहोर शाखा द्वारा आज स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर, सीहोर में गुरु वंदन - छात्र अभिनंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम - स्थापना दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ एवं विद्यालय के सभी बच्चों को तिलक लगाकर हुआ। संस्था की संस्कार संयोजिका श्रीमती शोभा चांडक ने कार्यक्रम के विषय के अनुरूप उद्बोधन देते हुए गुरु-शिष्य परम्परा के महत्व को समझाया।इसके पश्चात समिति के प्रांत सचिव रवि ठाकराल, समिति के अध्यक्ष रितेश राठौर, सचिव नवीन सोनी, संस्कार संयोजिका श्रीमती शोभा चांडक, समिति के सदस्यगण डॉ. गगन नामदेव एवं अरविंद गुप्ता ने मिलकर विद्यालय की शिक्षिका दीदी श्रीमती अर्चना जी तिवारी का सम्मान किया। श्रीमती अर्चना तिवारी विगत 40 वर्षों से विद्यालय को सेवा दे रही हैं एवं इसी विद्यालय की पूर्व छात्रा भी रही हैं। उन्हें माला, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया एवं उनकी अविरत सेवा को नमन किया गया। इसी कड़ी में शाला के प्राचार्य श्री जगन्नाथ जी सोहगपुरे का भी माला, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।इसके पश्चात विद्यालय के 5 मेधावी विद्यार्थियों को अष्टगंध से तिलक लगाकर परिषद की भारत को जानो पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रितेश राठौर द्वारा आगामी कार्यक्रम भारत को जानो एवं राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के बारे में सभी छात्रों एवं शिक्षिकाओं को विस्तृत जानकारी दी गई एवं विद्यालय के अधिक से अधिक बच्चे इसमें भाग लें ऐसा आव्हान किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार एवं समिति सदस्यों ने मिलकर विद्यालय परिसर में 5 पौधे - नीम, पीपल, जामुन, बादाम एवं जामफल लगाकर वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया। अंत में सचिव नवीन सोनी जिन्होंने स्वयं विद्या भारती परिवार के विद्यार्थी रहे हैं, ने सभी शिक्षकों को नमन करते हुए सभी सम्मानित गुरुओं एवं छात्रों को बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। साथ ही शाला के प्राचार्य द्वारा समिति के श्रेष्ठ आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया गया।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम में बड़ा बदलाव, अब अपील होगी स्वतः दर्ज

सीहोर (निप्र)। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिकों को सेवाएं समय-सीमा में उपलब्ध कराने की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अपील प्रक्रिया में महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। संशोधित प्रावधान के अनुसार अब सेवा आवेदन निर्धारित समय-सीमा में निराकृत नहीं होने पर आवेदक को अलग से अपील दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी। नए नियम के तहत यदि किसी सेवा आवेदन का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण नहीं होता है, तो समय-सीमा समाप्त होने के 15 दिन बाद संबंधित आवेदन स्वत: प्रथम अपील में दर्ज हो जाएगा। इसी प्रकार यदि प्रथम अपील का भी समय-सीमा में निराकरण नहीं किया जाता है, तो 15 दिन बाद वह स्वत: द्वितीय अपील में दर्ज हो जाएगी। यह नई व्यवस्था मध्यप्रदेश के e-District पोर्टल पर विकसित कर दी गई है और आज मध्यरात्रि से प्रभावी हो जाएगी। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के नियम-8 में किए गए इस संशोधन का उद्देश्य नागरिकों को अपील प्रक्रिया में राहत प्रदान करना, सेवाओं के समयबद्ध निराकरण को सुनिश्चित करना तथा जवाबदेही को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1652

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई मेल-mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन -0755-2553402 फैक्स-0755-2552406

//निविदा आमंत्रण सूचना//

निविदा सूचना क्रमांक-656/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक 07/07/2026

निम्न कार्यो हेतु निविदा वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 23/07/2026 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रू.लाख में
1	2026_WRD_507029	बारना परियोजना की दांयी मुख्य नहर की वितरिका डी-2/एम2 के चैन 80 पर बने फाल कम वी आर बी का सुधार कार्य।	रायसेन	3.76
2	2026_WRD_507370	बारना परियोजना की दांयी मुख्य नहर के दांयी तट 114 से 187 चैन तक मिट्टी तथा लाईनिंग का मरम्मत कार्य।	रायसेन	4.19
3	2026_WRD_507371	बारना विस्तारीकरण परियोजना की शहपुरा माइनर एवं तेंदोनी एक्वाडक्ट के अपस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम में लाइनिंग एवं बैंक मरम्मत के कार्य।	रायसेन	6.57
4	2026_WRD_508771	कोलार परियोजना की बांयी मुख्य नहर की इटारसी माइनर एवं इटारसी सबमाईनर मरम्मत एवं लाईनिंग का कार्य।	सीहोर	11.86
5	2026_WRD_508775	कोलार परियोजना की मुख्य नहर की तजपुरा उपनहर में लाईनिंग एवं मरम्मत का कार्य।	सीहोर	8.50
6	2026_WRD_508778	कोलार बांध की पैरापिट वाल एवं नीचे की ओर स्थित तटबंध की मरम्मत एवं पुताई का कार्य।	सीहोर	4.85
7	2026_WRD_511083	बारना बॉयी मुख्य नहर की वितरिका क्रं. 01 की चैन 201 पर सी.डी. का सुधार कार्य।	रायसेन	0.75
8	2026_WRD_512892	गुड्डीखेड़ा नहर के फिलिंग सेक्शन की नहर में लाइनिंग, ईशपुर और सांकला डिस्ट्रीब्यूटरी की गालचा माइनर का एच आर और पिपरिया ब्रांच नहर में चेनज 0 से 620 के बीच।	नर्मदापुरम्	10.59
9	2026_WRD_515477	तवा बांध हेतु सुरक्षा गार्ड का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	16.84
10	2026_WRD_516338	सोनतलाई उपनहर अनुविभाग हरदा की नहर में गाद निकालने और जंगल सफाई का कार्य।	हरदा	13.32
11	2026_WRD_516339	माचक नहर एवं उसकी उपनहरों में गाद निकालने का कार्य।	हरदा	12.83
12	2026_WRD_516341	रेवापुर उपनहर अनुविभाग हरदा की नहर में गाद निकालने और जंगल सफाई का कार्य।	हरदा	12.26
13	2026_WRD_516346	सामरधा उपनहर अनुविभाग टिमरनी की नहर में गाद निकालने और जंगल सफाई का कार्य।	हरदा	11.59
			कुल योग	117.91

जी/15466/26 हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com